सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 247 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 20 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

हाईकोर्ट के पूर्व AG को धमकी पुलिसकर्मी बनकर ठगों ने किया कॉल, कहा- आपके बेटे की गिरफ्तारी हो गई है, पैसे लेकर थाने आ जाओ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व एडवोकेट जनरल सतीश चंद वर्मा के मोबाइल पर कॉल कर धमकी देने का मामला सामने आया है। जालसाजों ने उनके बेटे की गिरफ्तारी की जानकारी देकर उन्हें पैसे लेकर थाने बुलाया। उन्होंने इस मामले की शिकायत चकरभाठा थाने में की है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट के पूर्व एडवोकेट जनरल सतीशचंद वर्मा तिफरा के बापजी कॉलोनी में रहते हैं। 11 जून को वो हाईकोर्ट में अपने ऑफिस में काम कर रहे थे। उसी समय उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने अपने आपको पुलिस कर्मी बताया और उनके बेटे की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्हें छुड़ाने के लिए पैसे लेकर थाने बुलाया गया। सीनियर एडवोकेट वर्मा ने धमकी भरे कॉल की जानकारी अपने सहयोगी वकीलों को दी। जिसके बाद उन्होंने चकरभाठा थाने में की। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

सीनियर एडवोकेट वर्मा ने आशंका जताई है कि कोई उनके खिलाफ आपराधिक साजिश की जा रही है। उन्होंने पुलिस को बताया कि फोन करने वाले के पास उनके परिवार और बेटे के संबंध में जानकारी कैसे आई, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि इससे आशंका है कि कोई अपराधिक संगठन उनके परिवार की जानकारी रखता है। साथ ही उन्हें ब्लेकमेल कर पैसों की मांग कर रहा है।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण को बताया असंवैधानिक

पटना। राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था। जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ। महागठबंधन सरकार के भी मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राज्य में आरक्षण का प्रतिशत 65 तक पहुंचा दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 में महगठबंधन के मुख्य दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस आरक्षण का क्रेडिट भी लिया। किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था। लेकिन अब, पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है।

कोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका माना जा रहा है। गुरुवार को सुनवाई की दौरान पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो जाएगी।

संघ पृष्ठभूमि वाले बनेंगे मंत्री!

रायपुर और दुर्ग से बनाए जा सकते हैं दो मंत्री, नहीं लिया जाएगा किसी मंत्री से इस्तीफा

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द ही होगा। सरकार में मंत्री के दो पद खाली हैं। इन पदों के लिए संघ पृष्ठभूमि वाले विधायकों को तरजीह दिए जाने की खबर आ रही है। क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल रायपुर जिले से थे, इसलिए संभावना है कि वहां से एक मंत्री लिया जाए। जबकि दुर्ग संभाग को भी मंत्री का एक पद मिलने की चर्चा है। फिलहाल साय सरकार में दुर्ग संभाग की भागीदारी शून्य है। जो जानकारियां सामने आ रही है, उसके मुताबिक, जिन दो विधायकों का नाम मंत्री पद के लिए चर्चा में है, उसमें एक अनुभवी और एक युवा विधायक शामिल है। सीएम हाउस में पिछले दिनों प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन की मौजूदगी में हुई अहम् बैठक में मंत्रिमंडल को लेकर औपचारिक चर्चा हुई थी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के ठीक बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि एक या दो मंत्रियों का परफारमेंस ठीक नहीं रहा है, जिसके चलते उनसे इस्तीफा लिया जा सकता है। लेकिन अब कहा जा रहा है कि किसी भी मंत्री से हाल-फिलहाल इस्तीफा नहीं लिया जाएगा।

विष्णु देव साय कैबिनेट की बुधवार को हुई अहम् बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस बैठक के तत्काल बाद शिक्षा व पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सांसद निर्वाचित होने के कुछ दिनों बाद उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को विधायक पद का इस्तीफा सौंपा था। अब उनके मंत्री पद छोड़ने के बाद सरकार में कैबिनेट मंत्री के दो पद रिक्त हो गए हैं। विधानसभा नतीजों के बाद जब भाजपा को बहुमत मिला और विष्णु देव साय मुख्यमंत्री बनाए गए, तब मंत्री का एक पद खाली छोड़ दिया गया था। इस पद को लोकसभा चुनाव के बाद भरने की बात कही गई थी। माना जा रहा है कि मंत्री के इन दो पदों को जल्द ही भरा जा सकता है। फिलहाल कैबिनेट विस्तार को लेकर सत्ता और संगठन के बीच कई दौर का मंथन होना बाकी है। पिछले दिनों सीएम हाउस में प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन की मौजूदगी में इस पर प्रारंभिक चर्चा हुई थी। इस बैठक में सीएम विष्णुदेव साय, दोनों डिप्टी सीएम समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। साय सरकार ने 6 महीने का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, लेकिन पिछले दो महीने आचार संहिता के चलते सरकार को वैसा काम करने को नहीं मिला, जैसी योजना थी। इसलिए अब नए सिरे से योजनाबद्ध तरीके से सरकार की नीतियों को आगे बढ़ाना है। कल हुई कैबिनेट की बैठक इसी का नतीजा थी। साथ ही मंत्री के रिक्त पद भरना भी नितांत आवश्यक है, ताकि सरकार काम सुचारू चल सके।

जातीय समीकरण रहेगा अहम्

मंत्रिमंडल के विस्तार में जातीय समीकरणों का भूमिका अहम् रहेगी। भले ही भाजपा ने टिकट वितरण के दौरान इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन भविष्य की रणनीतियों के मद्देनजर मंत्रिमंडल में इसका पूरा ख्याल रखे जाने की चर्चा है। पार्टी के सूत्रों का मानना है कि साय कैबिनेट में पिछड़ा व सामान्य वर्ग से एक-एक मंत्री बनाए जा सकते हैं। पिछड़ा वर्ग के लिए दुर्ग संभाग के एक विधायक का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। इस विधायक ने पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा। बताया जा रहा है कि इस विधायक की पारिवारिक पृष्ठभूमि संघ परिवार की है। हालांकि वर्तमान मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग से 3 से 4 विधायक पहले से ही हैं। वहीं आदिवासी, सतनामी व सामान्य वर्ग का भी तालमेल है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में मंत्रिमंडल के इसी जातीय व सामाजिक समीकरणों ने पार्टी को बड़ी जीत दिलाई। दूसरा मंत्री रायपुर जिले से बनाया जा सकता है।

क्षेत्रीयता का भी रहेगा दबाव

विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए सरकार पर क्षेत्रीय परिस्थितियों से संतुलन बनाने का भी दबाव रहेगा। लोकसभा चुनाव के बाद बिलासपुर जिले का कद बढ़ा है। यहां के सांसद तोखन साहू को केंद्रीय राज्यमंत्री का दर्जा मिला है। वहीं प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव भी बिलासपुर जिले से आते हैं। ऐसे में बिलासपुर के वरिष्ठ नेताओं की दावेदारी थोड़ी कमजोर दिखती है। बिलासपुर संभाग से अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक वरिष्ठ विधायक है। अग्रवाल मंत्री रह चुके हैं और कौशिक मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष की भी जिमेदारी निभा चुके हैं। वहीं, रायपुर से बृजमोहन और टंकराम वर्मा को मंत्री बनाया गया था। बृजमोहन के जाने के बाद क्षेत्रीय समीकरण को ध्यान में रखकर रायपुर से ही किसी एक को मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। इस बार दुर्ग संभाग को मंत्रिमंडल में कम प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में इस संभाग की दावेदारी मजबूत दिखाई दे रही है। बस्तर संभाग से भी किसी एक को प्रतिनिधित्व मिलने की उमीद है। ऐसे में दो मंत्री का चुनाव करना भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। कैबिनेट के विस्तार के बाद पार्टी में असंतोष उभरने का भी खतरा है।

मजबूत लॉबिंग कर रहे दावेदार

इधर, एक खबर यह भी आ रही है कि कई विधायक रायपुर से लेकर दिल्ली तक मजबूत लॉबिंग करने में जुटे हैं। कैबिनेट विस्तार को लेकर पार्टी के भीतर जोरदार चर्चा है कि इसमें युवा और अनुभवी को मौका मिल सकता है। पार्टी ने इस बार नए चेहरों पर भरोसा जताया था। इससे पहली बार के विधायक बने नेता भी सक्रिय हैं। संघ पृष्ठभूमि के दो नेताओं की लामबंदी को फिलहाल काफी मजबूत बताया जा रहा है। बताते हैं कि पार्टी आलाकमान की प्राथमिकता में हिंदुत्व और संघ परिवार की पृष्ठभूमि है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवार उतारने का पैमाना भी यही था। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान साजा और कवर्धा में साम्प्रदायिक घटनाएं हुई थी। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इन दोनों क्षेत्रों से जिन प्रत्याशियों को उतारा, उसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी। वर्तमान मंत्रिमंडल के कई नेता भी संघ पृष्ठभूमि वाले हैं। वैसे, बस्तर से भी एक विधायक की लामबंदी चर्चा में है।

बिलासपुर में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

एक सीएमओ, तीन इंजीनियर व एक लेखापाल निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने गुणवत्ताहीन कार्यों और काम में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के घरघोड़ा नगर पंचायत में निर्माण कार्यों एवं दायित्व निर्वहन में लापरवाही और गुणवत्ताहीन कार्यों के लिए नगर पंचायत के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित पांच अधिकारियों के निलंबन का आदेश मंत्रालय से जारी किया गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में अधोसंरचना मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की निविदा आमंत्रित करने के पूर्व निविदा प्रारूप का सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन नहीं कराने, विभिन्न वार्डों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, कार्य का भौतिक निरीक्षण नहीं करने, गुणवत्ताहीन सीसी रोड निर्माण कार्य का भुगतान करने तथा निजी एवं सार्वजनिक भूमि का सत्यापन किए बिना सीसी रोड निर्माण कार्य प्रस्तावित व संपादित कराने के लिए प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुमित मेहता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में विभिन्न वार्डों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, कार्य का भौतिक निरीक्षण नहीं करने, निर्माण कार्यों का माप-पुस्तिका में इंद्राज नहीं करने तथा गुणवत्ताहीन सीसी रोड निर्माण कार्य का संपादन कराकर भुगतान की अनुशंसा करने के लिए तत्कालीन उप अभियंता निखिल जोशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। घरघोड़ा नगर पंचायत में विभिन्न वार्डों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्यों का माप-पुस्तिका में इंद्राज नहीं करने, निर्माण के दौरान परीक्षण हेतु क्युब नहीं लेने, निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, कार्य का भौतिक निरीक्षण नहीं करने तथा गुणवत्ताहीन सीसी रोड निर्माण कार्य का संपादन कराकर भुगतान करने की अनुशंसा के लिए तत्कालीन उप अभियंता श्री प्रदीप पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में पूर्व में निर्मित सड़क की स्थिति संतोषप्रद होने के बावजूद नवीन सड़क हेतु मिट्टी खुदाई, जी.एस.बी., बेस कार्य आदि का औचित्यहीन अवयव सम्मिलित कर प्राक्कलन तैयार कर राशि मांग किए जाने, अधोसंरचना मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की निविदा आमंत्रित करने के पूर्व निविदा प्रारूप का सक्षम अधिकारी से अनुमोदन नहीं कराने तथा निजी एवं सार्वजनिक भूमि का सत्यापन किए बिना सीसी रोड निर्माण कार्य प्रस्तावित व संपादित कराने के लिए तत्कालीन उप अभियंता अजय प्रधान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। घरघोड़ा नगर पंचायत में विभिन्न वार्डों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के प्रतिकूल गुणवत्ताहीन कार्य का भुगतान कराने के लिए लेखापाल जयानंद साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इन सभी अधिकारियों का मुख्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय (क्षेत्रीय कार्यालय) बिलासपुर नियत किया गया है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

सड़क हादसे में सीएएफ के दो जवानों की मौत

एक घायल, ड्राइवर भी चोटिल

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बुधवार देर रात सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के दो जवानों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। इस घटना में पिकअप वाहन का चालक भी घायल हो गया। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। घायल जवान व चालक का इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार सामरी क्षेत्र में बुधवार को कैंप शिफ्टिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान बुधवार देर रात 10वीं बटालियन रामचंद्रपुर से CAF के 3 जवानों की टीम पिकअप में सवार होकर चुनचुना पुंदाग के लिए निकली थी। इसी दौरान ब्रेकडाउन होने की वजह से भुताही मोड के पास बेकाबू पिकअप वाहन खाई में गिर गया। हादसे में दो जवानों की मौत हो गई वहीं एक जवान व चालक घायल हैं। घटना की सूचना के बाद बैकअप टीम को रवाना किया गया। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को पहले अस्पताल पहुंचाया। घायल जवान को जिला अस्पताल और ड्राइवर कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हादसे में पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। देर रात हुए हादसे के कारण बैकअप टीम को रेस्क्यू में भी काफी दिक्कतों का सामना करन पड़ा था।

फिर इतिहास रचेगा नालंदा विश्वविद्यालय

श्रीकंचनपथ

गाजा के स्फिंक्स की तरह नालंदा विश्वाविद्यालय को भी जितनी बार नेस्तनाबूद किया गया है, उतनी ही बार वह फिर से सिर उठाकर खड़ा हो गया। पहला विनाश मिहिरकुल के शासनकाल में हुणों ने किया। 7वीं शताब्दी में गौड़ों द्वारा एक फिर नालंदा को तहस-नहस कर दिया गया। बौद्ध राजा हर्षवर्धन ने तब इसका पुनर्निर्माण करवाया। अंत में तुर्की शासक बख्तियार खिलजी ने नालंदा को खाक में मिला दिया। बताया जाता है कि इस विश्वविद्यालय में इतनी किताबें थीं कि तीन माह तक किताबें सुलगती रहीं और धुआं उठता रहा। दरअसल, 12वीं सदी में नष्ट हुए इस विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने के प्रयास मार्च 2005 में शुरू हुए थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी नई इमारत को राष्ट्र को समर्पित कर दिया। कहा जाता है कि जो कौम अपना इतिहास याद रखती है, वह कभी पूरी तरह नष्ट नहीं हो सकती। सदियों आक्रमण सहने के बाद भी यदि भारत आज तक अपने अस्तित्व को बनाए रखने में सफल रहा है तो इसके पीछे अपनी विरासत के प्रति संवेदनशीलता एक प्रमुख तत्व है। आज अगर भारत एक बार फिर विश्वगुरू बनने की इच्छा रखता है तो उसके पीछे नालंदा के इतिहास का भी बड़ा योगदान है। कहा जाता है कि नालंदा विश्वविद्यालय में 20 देशों के हजारों विद्यार्थी साथ-साथ अध्ययन करते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज इसका भी जिक्र करते हुए कहा कि ज्ञान और विज्ञान किसी भी भौगोलिक अथवा राजनैतिक सीमा से परे होते हैं। उन्होंने इस इच्छा को एक बार फिर व्यक्त किया के वो चाहते हैं कि बिहार का नालंदा एक बार फिर उसी वैभव को प्राप्त करे। पूरी दुनिया के बच्चे ज्ञान अर्जन करने के लिए यहां आएं। उन्होंने नालंदा के प्राचीन भग्नावशेषों को भी देखा। बहरहाल, नालंदा विश्वविद्यालय अब अपनी वैभवशाली विरासत और नई इमारत के साथ नया इतिहास रचने के लिए तैयार है। फिलहाल यहां स्कूल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवॉयरमेंट्स स्टडीज, स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, स्कूल ऑफलैंग्वेज एंड लिट्रेचर और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्डटीज संचालित हैं। 1900 की कुल क्षमता वाली 40 कक्षाओं से लैस नए परिसर में 300-300 की क्षमता वाले दो ऑडिटोरियम भी शामिल हैं। 550 की क्षमता वाले छात्रावास के साथ ही परिसर में एक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, 2000 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, एक फैकल्टी क्लब, और एक खेल परिसर जैसी कई अन्य सुविधाएं भी शामिल हैं। उद्घाटन के मौके पर ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, दरुस्सलाम, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, लाओस, मॉरीशस, म्यांमार, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका और वियतनाम के डिप्लोमैट्स की उपस्थिति ही यह साबित करने के लिए काफी है कि प्रधानमंत्री मोदी की इस कोशिश को व्यापक समर्थन मिला है। योग, वैदिक गणित और आयुर्वेद के जरिए दुनिया पर छा जाने वाला भारत आज उस मुकाम पर है जहां से वह एक बड़ी छलांग लगा सकता है। पर इसके लिए पहले शिक्षा को व्यापारियों के चंगुल से छुड़ाना होगा।

संपादकीय

बस यह कहने के लिए कहा है

राजनीति में जब कोई राजनीतिक दल या नेता खुद सफल नहीं हो पाता है। अपनी पार्टी को एक बार भी लोकसभा चुनाव जिता नहीं पाता है, अपनी पार्टी को बहुमत नहीं दिला पाता है, अपनी पार्टी की सरकार नहीं बनवा पाता है। वह घोर हताशा में यही कामना करता रहता है कि जिस तरह मैं असफल हूं, उसके विरोधी भी असफल रहे या सफल हैं तो असफल हो जाएं। निराशा,हताशा,गुस्से व ईर्ष्या में आदमी अच्छा बातें नहीं सोच पाता है, बुरी बाते ही सोचता रहता है, बुरी बाते ही कहता रहता है। अगर वह विपक्ष में है तो वह ऐसी बातें कहना अपना अधिकार समझता है।

राहुल गांधी एवं कंपनी का ख्याल था कि भाजपा व मोदी को 240 सीटों पर रोककर उन्होंने कोई ऐसी सफलता पा ली है जैसी सफलता आज तक किसी नेता ने नहीं पाई है। सही मायने में तो भाजपा ने ही एनडीए के रूप में कांग्रेस को लगातार तीसरी बार हराया है। यह तीसरी हार राहुल गांधी व कांग्रेस की शर्मनाक हार है लेकिन वह अपनी हार को देश मे चर्चा का विषय न बनने देने के लिए भाजपा की नैतिक हार,370 हासिल न कर पाना, 400 प्लस न हासिल कर पाना भी तो मोदी की हार है, कहा गया। लेकिन हकीकत तो यह है कि भाजपा को बहुमत न मिला तो भी सरकार तो भाजपा ने ही एनडीए के सहयोगियों के साथ मिलकर बनाई है। ऐसा भी नहीं है कि एनडीए गठबंधन चुनाव के बाद बना है, एनडीए गठबंधन तो पिछले तीन चुनाव से यानी पंद्रह साल से बना हुआ है। मोदी की सरकार में एनडीए के सहयोगियों को भी मंत्री बनाया जाता रहा है। यानी मोदी भाजपा के पीएम होने के साथ ही एनडीए के भी पीएम हुआ करते थे। इस बार भी वह भाजपा के साथ एनडीए के पीएम हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि वह तीसरी बार पीएम बनेंगे और उन्होंने बककर दिखा दिया है। वहीं राहुल गांधी चुनाव के दौरान हर सभा में लिखक दे रहे थे कि मोदी पीएम नहीं बन रहे हैं। कौन झूठा साबित हुआ। यह देश देख रहा है।

अब एनडीए की सरकार बन गई, विभागों का बंटवारा भी हो गया। अपनी मर्जी से मंत्री बनाकर पीएम मोदी ने विपक्ष को बता दिया है कि वह मजबूत सरकार के पीएम है। वह जैसा चाहते हैं, आज भी कर सकते हैं। मजबूत सरकार बन गई तो विपक्ष ने नायडू व जेडीयू को स्पीकर के लिए भड़काया कि अगर स्पीकर आपका नहीं हुआ तो भाजपा आपकी पोर्टी को तोड़ देगी। दोनों नेताओं ने कांग्रेस नेताओं की बात पर जरा भी ध्यान नहीं दिया तो अब राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेता बारी बारी से यही कह रहे हैं कि मोदी सरकार तो कभी भी गिर जाएगी। पहले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा था कि एनडीए सरकार कमजोर सरकार है, यह कभी भी गिर सकती है। अब राहुल गांधी ने यही कहा है।यह इसलिए कहा गया है कि किसी कारण से कभी मोदी सरकार गिर गई तो कांग्रेस नेता कह सकें कि देखों हमारे नेता राहुल गांधी ने पहले ही कह दिया था मोदी सरकार कओभी भी गिर सकती है।

तीन चुनाव हो गए राहुल गांधी ने बहुत सी बाते कहीं है, जैसे चौकादार चोर है, मोदी अडानी, अंबानी की कठपुतली हैं, मोदी सरकार सूट बूट की सरकार है, अमीरो के लिए काम करती है। मोदी तानाशाह है, मोदी तीसरी बार पीएम बनेंगे तो वह आरक्षण समाप्त कर देंगे, संविधान बदल देंगे,चुनाव नहीं होंगे। कांग्रेस की सरकार बनी तो खटाखट गरीबी दूर कर देंगे, हर गरीब महिला को साल में एक लाख रुपए देंगे, लेकिन 15 साल हो गए हैं देश की जनता उनकी बातों पर यकीन नहीं करती है। वह जब कहते हैं कि गरीब परिवारों को छह हजार महीना देंदे तो जनता यकीन नही करती है, वह दूसरी बार साढ़े आठ हजार रुपए महीने देंगे तो भी जनता ने राहुल गांधी का बातों पर भरोसा नहीं किया। थोड़ से लोगों भरोसा कर वोट दे दिया तो वह अब एक लाख कब खटाखट मिलेगा इंतजार कर रहे है। अब अगली बार राहुल गांधी कहें कि कांग्रेस सरकार बनी तो हर माह दस हजार रुपए दिया जाएगा तो लोग और भरोसा नहीं करेंगे। लोगो भरोसा करते हैं वादा पूरा होने से। जैसे पीएम मोदी ने एक बार कहा कि गरीब किसानों को साल का छह हजार रुपए देंगे तो वह उन्होंने वादा पूरा करके दिखाया है। काशी में उन्होंने किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त किसानों को दी है। यानी की पूरे पांच साल किसानों को पैसा निरंतर मिला है। वादा पूरा होने पर लोग भरोसा करते हैं। बड़े बड़े वादे करने से भरोसा नही करते है।

खो-खो : गुमनामी से अंतर्राष्ट्रीय शिखर तक

सुधांशु मित्तल

पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल खो-खो की जड़ें भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं और यह खेल प्राचीन काल से प्राकृतिक घास या मैदान में नियमित रूप से पूरे भारत में खेला जाता है। खो मराठी शब्द है जिसका अर्थ है जाओ और पीछा करो। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाला खो खो प्राचीन भारत का पारंपरिक खेल माना जाता है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी के बाद दूसरा रोमांचक टैग गेम है। खो खो की उत्पति भारत में मानी जाती है। इतिहास में इसका वर्णन मौर्य शासनकाल (चौथी ईसा पूर्व) में मिलता है। खो खो खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि महाभारत काल में खो खो रथ पर खेला जाता था जहां प्रतिद्वंद्वी रथ पर सवार होकर एक-दूसरे का पीछा करते थे, जिसे रथेरा कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि महाभारत युद्ध के 13वें दिन गुरु द्रोणाचार्य द्वारा बनाए गए चक्रव्यूह में प्रवेश करने के लिए अभिमन्यु ने खो-खो में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति का उपयोग किया था और खो-खो के कौशल का उपयोग करके कौरव वंश को भारी नुकसान पहुँचाया था। लोकमान्य तिलक द्वारा गठित डेक्कन जिमखाना पुणे ने पहली बार इस खेल के विधिवत नियम तय किए। वर्ष 1923-24 में इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कम्पटीशन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से ग्रामीण स्तर पर खो-खो को लोकप्रिय करने के लिए कदम उठाए गए। वर्ष 1928 में भारत की पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए गठित अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण मंडल द्वारा वर्ष 1935 में इस खेल के नियमों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।

आधुनिक काल में खो-खो खेल को महाराष्ट्र के अमरावती के हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के तत्वाधान में सबसे पहले 1936 के बर्लिन ओलंपिक्स में प्रदर्शित किया गया था तथा इस खेल को अडोल्फ हिटलर ने जमकर सराहा। वर्ष 1938 में अखिल महाराष्ट्र शारीरिक शिक्षण मंडल ने खो-खो खेल की दूसरी नियम पुस्तिका प्रकाशित की। इसी वर्ष अकोला में इंटर जोनल स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया। आज खो-खो भारत के सभी राज्यों में खेली जाती है तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खो-खो की अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। आज़ादी के बाद भारतीय खेलों को प्रोत्साहन देने के अंतर्गत 1955-56 में अखिल भारतीय खो-खो मंडल की स्थापना की गई। पुरुषों की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन 25 दिसंबर 1959 से 01 जनवरी 1960 को आयोजित किया गया जबकि महिलाओं की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 13 से 16 अप्रैल 1961 को आयोजित की गई। वर्ष 1964 में इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित 5वीं नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में व्यक्तिगत पुरस्कार शुरू किए गए। वर्ष 1966 में खो-खो फेडरेशन ऑफइंडिया की स्थापना की गई तथा वर्ष 1970 में किशोर लड़कों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जबकि वर्ष 1974 में किशोर लड़कियों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। 1982 में दिल्ली में आयोजित 9वीं एशियाई खेलों में खो-खो का डेमोंस्ट्रेशन मैच आयोजित किया गया। वर्ष 1987 में कोलकाता में आयोजित तीसरी साउथ एशियाई खेलों में खो-खो खेल को प्रदर्शित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पहली बार वर्ष 1996 में खो-खो की पहली एशियाई खो-खो चैंपियनशिप आयोजित की गई, जिससे खो-खो को अंतर्राष्ट्रीय खेल के रूप में लोकप्रियता मिली, जिससे आज यह खेल 35 से अधिक देशों में खेला जाता है। वर्ष 1998 में पहला नेता जी सुभाष गोल्ड कप इंटरनेशनल खो-खो टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 'खो-खो को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए जुलाई 2018 में इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन का गठन किया गया जिसका हेडक्वार्टर लंदन में है। लंदन में पहली इंटरनेशनल खो-खो चैंपियनशिप वर्ष 2018 में आयोजित की गई। आज खो-खो भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से खेला जाने वाला खेल है। यह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का हिस्सा है जिसमें लगभग 20 देशों की राष्ट्रीय खो-खो टीमें हैं। ऐसे गौरवशाली इतिहास के साथ खो-खो की लोकप्रियता आने वाले वर्षों में भी बढ़ती रहेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

आरबीआई को अब ब्याज दरों में कटौती के बारे में गम्भीरता से विचार करना चाहिए

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार 8वीं बार रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर ही जारी रखा है। हालांकि, हाल ही में, जून 2024 के प्रथम सप्ताह में सम्पन्न हुई मोनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक में दो सदस्यों ने रेपो दर को 25 आधार अंको से घटाकर 6.25 प्रतिशत पर नीचे लाने की सिफारिश की थी।

प्रह्लाद सबनानी

अभी तक मोनेटरी पॉलिसी कमेटी द्वारा लिए गए 48 निर्णयों में से 32 निर्णय सर्वसम्मत आधार पर लिए गए हैं और केवल 16 निर्णयों की स्थिति में ही कुछ सदस्यों द्वारा अपनी अलग राय रखी गई है। और, इस बार भी दो सदस्यों की राय अन्य सदस्यों की राय से कुछ भिन्न रही है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में मुद्रा स्फीति के सम्बंध में भी अपनी राय प्रकट की है और इसके अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुद्रा स्फीति की दर 4.5 प्रतिशत पर बनी रहेगी और इस वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में मुद्रा स्फीति की दर 4.9 प्रतिशत, द्वितीय तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 4.6 प्रतिशत एवं चतुर्थ तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर में खाद्य पदार्थ सामग्री का विशेष योगदान रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि, बाजार में खाद्य पदार्थ सामग्री की कीमतें यदि बढ़ती हैं तो इसे ब्याज दर बढ़ाकर अथवा घटाकर प्रभावित नहीं किया जा सकता है क्योंकि खाद्य पदार्थों की कीमतें बाजार में मांग एवं आपूर्ति के आधार पर ही निर्धारित होती हैं। जैसे, सब्जी एवं फलों की आपूर्ति यदि बाजार में कम है और मांग अधिक है तो इन वस्तुओं की कीमतें बाजार में आसमान छूती नजर आती हैं और इन वस्तुओं की बाजार में यदि आपूर्ति बढ़ जाए तो इनकी कीमतें भी कम होने लगती है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि अथवा कमी का इन वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव नगण्य सा ही रहता है। कुल मिलाकर, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर ही इन वस्तुओं की मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। और फिर, भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी 4.5 प्रतिशत के आसपास ही बनी रही है जो मोनेटरी पॉलिसी में वर्णित 2.5 प्रतिशत से 6.5 प्रतिशत के बीच की सीमा के अंदर ही है। बैंक आफ कनाडा, स्विस बैंक एवं स्वीडिश रिस्कबैंक ने भी पूर्व में ही अपने अपने देशों की ब्याज दरों में कमी करने की सिफारिश की है। अतः क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी रेपो दर में कमी करने के बारे में विचार नहीं किया जाना चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी संभवतः अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर में कमी को घोषणा के बाद की जाय, क्योंकि यदि भारत रेपो दर में कमी की घोषणा करता है एवं फेडरल रिजर्व फेड दर में कमी नहीं करता है तो इससे अमेरिकी डॉलर के रूप में पूंजी का भारत से पलायन हो सकता है। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने आंतरिक मजबूती के चलते ही अपने आर्थिक विकास को गति देने में सफल रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था, अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्र में हो रहे विभिन्न परिवर्तनों के बावजूद वित्तीय वर्ष 2023-24 में अपने आर्थिक विकास की दर को 8 प्रतिशत से अधिक रखने में सफल रही है। यदि भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी करता है तो इससे भारत में उद्योग, कृषि एवं सेवा क्षेत्र को वित्त/पूंजी की उपलब्धता कम ब्याज दरों पर होने लगेगी, इससे इन क्षेत्रों में कार्य कर रही इकाईयों की उत्पादन लागत कम होगी एवं इनकी लाभप्रदता में सुधार होगा। जिससे अंततः इन इकाईयों के विस्तार में आसानी होगी। देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होंने लगेंगे। और फिर, अभी तो भारत के पास 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार भी उपलब्ध है, यदि ब्याज दर कम करने से कुछ विदेशी पूंजी पलायन भारत से अन्य देशों के ओर होता भी है तो (हालांकि इसकी सम्भावना बहुत ही कम है क्योंकि भारत में विदेशी निवेश एवं विदेशी मुद्रा का आंतरिक प्रेषण भी भारी मात्रा में होता दिखाई दे रहा है) यह विदेशी मुद्रा भंडार भारत के आड़े वक्त में काम आएगा।

भारत में हाल ही के समय में विभिन्न बैंकों के ऋण में वृद्धि दर 15 से 20 प्रतिशत के बीच बनी हुई है जबकि जमाराशि में वृद्धि दर 10-12 प्रतिशत के बीच बनी हुई है। आज भारत के कई बैंकों का वार्धिक ऋणः जमा अनुपात 100 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। इससे विभिन्न बैंकों की तरलता पर दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक को विभिन्न बैंकों की तरलता सम्बंधित समस्याओं को हल करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में कई प्रयास करना शुरू भी कर दिए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। पहिले यह अनुमान 7 प्रतिशत का लगाया गया था परंतु वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 8.20 प्रतिशत की वृद्धि दर को देखते हुए इसमें 20 आधार अंको की वृद्धि की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.3 प्रतिशत, द्वितीय तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 7.3 प्रतिशत एवं चतुर्थ तिमाही में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस वर्ष मानसून भी सामान्य से कुछ अधिक ही रहने की सम्भावना है एवं भारत में 'अल नीनो' के स्थान पर 'ला नीना' का असर होने की प्रबल सम्भावना व्यक्त की गई है। अल नीनो के प्रभाव से सामान्यतः मानसून कमजोर हो जाता है एवं ला नीना के प्रभाव से मानसून मजबूत रहने की सम्भावना बढ़ जाती है। भारत में कृषि क्षेत्र अभी भी मानसून की बारिश पर ही टिका हुआ है, अतः मानसून के दौरान ला नीना के प्रभाव को कृषि क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा माना जा रहा है। दूसरे, भारत की अर्थव्यवस्था में मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं धार्मिक पर्यटन का सकारात्मक प्रभाव वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी जारी रहेगा। इस मुख्य कारण के चलते, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यदि यह प्रभाव भी वर्ष 2024-25 के दौरान इसी स्तर पर बना रहता है तो बहुत सम्भव है कि इस वर्ष के दौरान भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर हासिल की जा सके। तीसरे, इस वर्ष अच्छे मानसून के चलते ग्रामीण इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग में भी वृद्धि होगी और यह कृषि क्षेत्र के साथ ही उद्योग एवं सेवा क्षेत्र को भी गति देने का काम करेगा, और इससे निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ने की भी प्रबल सम्भावना रहेगी और अंततः विकास दर 7.2 प्रतिशत के स्थान पर 8 प्रतिशत की रह सकती है।

अतः कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अब चूंकि मुद्रा स्फीति की दर भारत में लगभग नियंत्रण में है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने पर गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

तगड़ा घोटाला हुआ

विनीत नारायण

जब भी कभी हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सुनते हैं, तो सबके मन में व्यवस्था को लेकर काफी सवाल उठते हैं। इससे पूरी व्यवस्था में फैले हुए भारी भ्रष्टाचार का प्रमाण मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी खबरें कुछ ज्यादा ही आने लगी हैं। सोचने वाली बात है कि इससे देश के युवाओं पर क्या असर पड़ेगा? महीनों तक परीक्षा के लिए मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के मन में इस बात का डर बना रहेगा कि रसूखदार परिवारों के बच्चे पैसे के बल पर उनकी मेहनत पर पानी फेर देंगे? मध्य प्रदेश में हुए व्यापम घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 'नीट परीक्षा' में हुए घोटाले पर जो बवाल मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है।

साल 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए 'नेशनल एंट्रेंस कम एलिजिबिलिटी टेस्ट' यानी नीट की शुरुआत हुई। पहले तीन वर्षों में इसे सीबीएसई द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इम्तिहानों की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लागू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इतनी हाई गई है। यदि एनटीए की मानें तो 'नीट कटऑफ कैंडिडेट्स की ओवरऑल परफॉम्रेस पर निर्भर करती है। कटऑफ बढ़ने का मतलब है कि परीक्षा कंपटीटिव थी और बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया'। परंतु क्या यह बात सही है?

गौरतलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिन्हें 720 अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिन्हें 718 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुताबिक असंभव है। 720 के टोटल मार्क्?स वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो उसे 715 अंक मिलने चाहिए। लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जाहिर है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उनसे जब यह पूछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा काफी कठिन थी, कटऑफ काफी नीचे रहेगी। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुताबिक इस बार टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क्?स भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इसलिए है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यहां सवाल उठता है कि आजकल के युग में जहां सभी युवा एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया के किसी न किसी माध्यम से जुड़े रहते हैं, या फिर जहां कोचिंग लेते हैं, वहां पर सबसे संपर्क में रहते हैं। फिर ये कैसे संभव है कि छह साल पुरानी किताब को सही नहीं कराया गया होगा?

अगला सवाल यह भी उठता है कि एनटीए द्वारा किस आधार पर ग्रेस मार्क्?स दिए गए? जबकि मेडिकल परीक्षाओं में ग्रेस मार्क्?स देने का कोई प्रावधान नहीं है। एनटीए ने ग्रेस मार्क्?स देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के 2018 के एक आदेश का संज्ञान लिया है, जिसके अनुसार यदि प्रशासनिक लापरवाही के कारण परीक्षार्थी का समय खराब हो तो किन विद्यार्थियों को किन परिस्थितियों में कितने ग्रेस मार्क्?स दिय् जा सकते हैं। परंतु गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जिस फैसले का यहां उल्लेख किया जा रहा है वह कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के लिए था, उसी आदेश में यह साफ-साफ लिखा है कि यह आदेश मेडिकल और इंजीनियरिंग की परीक्षाओं पर लागू नहीं होगा परंतु एनटीए ने न जाने किस आधार पर इस आदेश को संज्ञान में लिया और ग्रेस मार्क्?स दे दिए? नीट परीक्षा का यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है, और अदालत ने नीट परीक्षा करवाने वाली एजेंसी एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है।

देखना होगा कि ये दोनों कोर्ट में क्या जवाब दाखिल करते हैं? परंतु जिस तरह इस मामले ने तूल पकड़ा है, इस पर राजनीति भी होने लग गई है, इतना ही नहीं जिस तरह एनटीए ने परीक्षा से पहले ही इसके पंजीकरण में ढील बरती है, वह सब भी सवालों के घेरे में है। टॉपर्स की लिस्ट में कम से कम 6 विद्यार्थी ऐसे हैं, जो एक ही सेंटर के हैं। इस सेंटर को इसलिए भी शक की नजर से देखा जा रहा है कि यहां विद्यार्थी देश के दूसरे कोने से परीक्षा देने आए। बिहार, गुजरात और अन्य राज्यों में नीट परीक्षा के पेपर लीक के मामले भी सामने आए हैं जिन पर जांच चल रही है।

सोचने वाली बात है कि देश का भविष्य माने जाने वाले विद्यार्थी, जो आगे चल कर डॉक्टर बनेंगे, यदि इस प्रकार भ्रष्ट तंत्र के चलते किसी मेडिकल कॉलेज में दाखिला पा भी लेते हैं, तो क्या भविष्य में अच्छे डॉक्टर बन पाएंगे या पैसे के बल पर वहां भी पेपर लीक करवा कर 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की तरह सिर्फ डिग्री ही हासिल करना चाहेंगे चाहे उन्हें कोई ज्ञान हो या न हो? सवाल सिर्फ नीट की परीक्षा का ही नहीं है, पिछले कुछ वर्षों से अनेक प्रांतों में होने वाली सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी लगातार घोटाले हो रहे हैं जिनकी खबरें आए दिन मीडिया में प्रकाशित होती रहती हैं। इससे देश के युवाओं में भारी निराशा फैल रही है। नतीजा यह हुआ है कि पिछले 40 बरसों में आज भारत में बेरोजगारी की दर सबसे अधिक हो गई है। एक मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय परिवार के पास अगर खुद की जमीन-जायदाद, खेतीबाड़ी या कोई दुकान न हो तो नौकरी ही एकमात्र आय का सहारा होती है। घर के युवा को मिली नौकरी उसके मां-बाप का बुढ़ापा, बहन-भाई की पढ़ाई और शादी, सबकी जिम्मेदारी संभाल लेती है। पर अगर बरसों की मेहनत के बाद घोटालों के कारण देश के करोड़ों युवा इस तरह बार-बार धोखा खाते रहेंगे तो सोचिए कितने परिवारों का जीवन बर्बाद हो जाएगा? यह बहुत गंभीर विषय है जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों को फौरन ध्यान देना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

लोकमंगल था शिवाजी के 'हिंदवी स्वराज' का शासन मंत्र

हिंदू साम्राज्य दिवस (20 जून) पर विशेष

सुशासन, समरसता और सामाजिक न्याय से जीता जनविश्वास

प्रो.संजय द्विवेदी

शिवाजी का नाम आते ही शौर्य और साहस की प्रतिमूर्ति का एहसास होता है। अपने सपनों को सच करके उन्होंने खुद को न्यायपूर्ण प्रशासक रूप में स्थापित किया। इतिहासकार भी मानते हैं कि उनकी राज करने की शैली में परंपरागत राजाओं और मुगल शासकों से अलग थी। वे सुशासन, समरसता और न्याय को अपने शासन का मुख्य विषय बनाने में सफल रहे। सन् 1674 में ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के दिन शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ। यह दिन हिंदू साम्राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। बिखरे हुए मराठों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने जिस तरह अपने सपनों को साकार किया वह प्रेरित करने वाली कथा है। एक अप्रतिम सैनिक, कूटनीतिज्ञ, योद्धा के साथ ही वे कुशल रणनीतिकार के रूप में भी सामने आते हैं। वे अपनी मां जीजाबाई और गुरू के प्रति बहुत श्रद्धाभाव रखते थे। शायद इन्हीं समन्वित मानवीय गुणों से वे ऐसे शासक बने जिनका कोई पर्याय नहीं है।

इतिहासकार ईश्वरी प्रसाद कहते हैं- प्रशासन की उनकी प्रणाली कई क्षेत्रों में मुगलों से बेहतर थी। इतिहास के पन्नों में ऐसा शासक कभी-कभी आता है, जिसने लोकमन में जगह बनाई हो। शिवाजी एक ऐसे शासक हैं जिनके प्रति उनकी प्रजा में श्रद्धाभाव साफ दिखता है क्योंकि लोकमंगल ही उनके शासन का मूलमंत्र था। उनकी राज्य प्रणाली, प्रशासन में आम आदमी के लिए, स्त्रियों के लिए, कमजोर वर्गों के लिए ममता है, समरसता का भाव है। वे न्यायपूर्ण व्यवस्था के हामी हैं। प्रख्यात इतिहासकार डा. आरसी मजूमदार की मानें तो शिवाजी न केवल एक साहसी सैनिक और सफल सैन्य विजेता थे,बल्कि अपने लोगों के प्रबुद्ध शासक भी थे। बाद के इतिहासकारों ने तमाम अन्य भारतीय नायकों की तरह शिवाजी के प्रशासक स्वरूप की बहुत चर्चा नहीं की है। आज भारतीय पुर्नजागरण का समय है और हमें अपने ऐसे नायकों की तलाश है, जो हमारे आत्मविश्वास को बढ़ा सकें। ऐसे समय में शिवाजी की शासन प्रणाली में वे सूत्र खोजे जा सकते हैं, जिससे देश में एकता और समरसता की धारा को मजबूत करते हुए समाज को न्याय भी दिलाया जा सकता है।शिवाजी अपने समय के बहुत लोकप्रिय शासक थे। उन पर जनता की अगाध आस्था दिखती थी। साथ ही उनके राजतंत्र में बहुत गहरी लोकतांत्रिकता भी दिखती है। क्योंकि वे अपने विचारों को थोपने के बजाए या 'राजा की बात भगवान की बात है' ऐसी सोच के बजाए अपने मंत्रियों से सलाहें लेते रहते थे। विचार-विमर्श उनके शासन का गुण हैं। जिससे वे शासन की लोकतांत्रिक चेतना को सम्यक भाव से रख पाते हैं।

शिवाजी ऐसे शासक हैं जो सत्ता के विकेंद्रीकरण की वैज्ञानिक विधि पर काम करते हुए दिखते हैं। समाज के सभी वर्गों,जातियों, सामाजिक समूहों की अपनी सत्ता में वे भागीदारी सुनिश्चित करते हैं, जिनमें मुसलमान भी शामिल हैं। उन्होंने मंत्रियों को अलग-अलग काम सौंपे और उनकी जिम्मेदारियां तय कीं ताकि अनूकूल परिणाम पाए जा सकें। वे परंपरा से अलग हैं इसलिए वे अपने नागरिकों या सैन्य अधिकारियों को कोई जागीर नहीं सौंपते। किलों(दुर्ग) की रक्षा के लिए उन्होंने व्यवस्थित संरचनाएं खड़ी की ताकि संकट से जूझने में वे सफल हों। रक्षा और प्रशासन के मामलों को उन्होंने सजगता से अलग-अलग रखा और सैन्य अधिकारियों के बजाए प्रशासनिक अधिकारियों को ज्यादा अधिकार दिए। उनकी यह सोच बताती है नागरिक प्रशासन उनकी चिंता के केंद्र में था। उन्होंने राजस्व प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए किसानों से सीधा संपर्क और संवाद बनाने में सफलता पाई। उन्होंने केंद्रीय प्रशासन और प्रांतीय प्रशासन की साफ रचना खड़ी और उनके अधिकार व कर्तव्य भी सुनिश्चित किए। उन्होंने 'अष्ट प्रधान' नाम से केंद्रीय मंत्रियों की टोली बनाई जिसमें आठ मंत्री थे। उनमें कुछ पेशवा कहे गए जो वरिष्ठ थे। चार प्रांतों विभक्त शिवाजी की राज्य रचना एक अनोखा उदाहरण थी। प्रत्येक प्रांत को जिलों और गांवों में बांटा गया था। गांव का प्रमुख देशपाण्डेय या पटेल कहलाता था। शिवाजी गांवों में राजस्व प्रणाली को वैज्ञानिक बनाने का काम किया और उनको किसानों के लिए उपयोगी बनाया। इस व्यवस्था में किसान किस्तों में भी भुगतान कर सकते थे। राज्यस्व अधिकारियों पर नियंत्रण रहे इसलिए नियमित उनके खातों की गहन जांच भी की जाती थी। उन्होंने न्यायिक प्रशासन को भी जवाबदेह बनाया। शिवाजी स्वयं योद्धा थे। जाहिर तौर पर उनकी सैन्य प्रणाली बहुत अग्रगामी थी। पूर्व की परंपरा में सैनिक छः माह काम करते थे फिर छः माह दूसरे कामों से अपना जीवन यापन करते थे। शिवाजी ने नियमित सेना को स्थापित किया, उन्हें पूरे साल सैनिक जीवन जीना होता था। सैनिकों को नियमित भुगतान के साथ उनकी योग्यता और देशभक्ति के आधार पर जगह मिलने लगी।

शिवाजी ने लगभग 280 किलों के माध्यम से अभेद्य रचना खड़ी की। उनकी सेना में कठोर अनुशासन था। सेना में सभी वर्गों के सैनिक थे। 700 से अधिक मुस्लिम भी उनकी सेना में थे।अपने सैनिकों को उन्होंने गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित कर बड़ी सफलताएं पाईं। मृत सैनिकों के परिजनों का खास ख्याल रखा जाता था। इसके साथ ही उन्होंने बहुत अनुशासित सेना खड़ी की। सेना में अनुशासन बनाए रखने के लिए शिवाजी बहुत सख्त थे। महिलाओं और बच्चों को मारना या प्रताड़ित करना, ब्राह्मणों को लूटना, खेती को खराब करना आदि युद्ध के दौरान भी दंडनीय अपराध थे। अनुशासन के रखरखाव के लिए विस्तृत नियम सख्ती से लागू किए गए थे। किसी भी सैनिक को अपनी पत्नी को युद्ध के मैदान में ले जाने की अनुमति नहीं थी। शिवाजी ने अपनी सेना को सब तरह से सुसज्जित किया जिसमें छह विभाग थे। जो इस प्रकार हैं- घुड़सवार सेना, पैदल सेना, ऊंट और हाथी बटालियन, तोपखाने और नौसेना। यह विवरण बताता है कि उनका राज्यतंत्र किस तरह लोगों की सुरक्षा और शांति के लिए काम कर रहा था। वे प्रेरित करने वाले नेता था। इसलिए उनकी शक्ति बढ़ती चली गयी।उनके कट्टर दुश्मन औरंगज़ेब को स्वयं स्वीकार करना पड़ा कि मेरी सेनाओं को उन्नीस वर्षों से उनके खिलाफ काम में लगाया गया है और फिर भी उनकी (शिवाजी की) स्थिति हमेशा बढ़ती रही है।

शिवाजी जी ने अपनी जंग मुगलों के विरूद्ध लड़ी, किंतु वे सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय के मंत्रदृष्टा थे। उन्होंने कभी किसी जाति और धर्म के विरूद्ध कभी कुछ न किया, न ही कहा। उनके शासन में सभी सुखी थे क्योंकि वे सबको अपना मानते थे। अपनी आठ सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उन्होंने सात ब्राम्हणों को जगह दी। वे बेहद सहिष्णु हिंदू शासक थे। उन्होंने साफ कहा कि वे हिंदुओं, ब्राम्हणों और गायों के रक्षक हैं। उन्होंने सभी पंथों और उनके ग्रंथों के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित किया। किसी मस्जिद को अपने राज में कभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया न पहुंचने दिया। युद्ध के दौरान महिलाओं और बच्चों के सम्मान और सुरक्षा उनकी चिंता का मूल विषय थे।

मुस्लिम महिलाओं को सम्मान देने की उनकी अनेक कथाएं बहुश्रुत हैं। उन्होंने मुस्लिम विद्वानों और आलिमों को हमेशा आर्थिक मदद दी। सरकारी विभागों में उन्होंने मुस्लिम अधिकारियों को नियुक्त किया। औरंगजेब द्वारा सभी हिंदुओं पर जजिया कर लगाने पर शिवाजी ने उसे एक पत्र भी लिखा। बहुत खराब सामाजिक परिस्थितियां और मुगल शासकों द्वारा हिंदु विरोधी कृत्यों के बाद भी शिवाजी ने अपने राज्य में मुस्लिम जनता को कभी पराएपन का एहसास नहीं होने दिया और उनका संरक्षण किया। उन्होंने यह नियम ही बना दिया था कि किसी भी युद्ध, छापामार युद्ध में महिलाओं, मस्जिदों और पवित्र पुस्तक कुरान को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। शिवाजी ऐसे भारतीय शासक के रूप में सामने आते हैं, जिसने अपनी बाल्यावस्था में जो सपना देखा, उसे पूरा किया। भारतीय समाज में आत्मविश्वास का मंत्र फूंका और भारतीय लोकचेतना के मानकों के आधार पर राज्य संचालन किया। मूल्यों और अपने धर्म पर आस्था रखते हुए उन्होंने जो मानक बनाए वे आज भी प्रेरित करते हैं। ऐसे महापुरुष सदियों में आते हैं, जिनका व्यक्तित्व और कृतित्व लंबे समय तक लोगों के लिए आदर्श बन जाता है।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान(IIMC) के पूर्व महानिदेशक हैं।)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर जिले में विशाल जांच शिविर का किया गया आयोजन

मोहला। जिला मुख्यालय मोहला में विश्व सिकलसेल दिवस का आयोजन जिला प्रशासन जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी द्वारा दशहरा मैदान मोहला में किया गया। आयोजन में 470 हितग्राहियों का सिकलसेल जांच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किया गया। साथ ही सिकलसेल रोग के संबंध में जागरूकता तथा प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा सिकल सेल रोग संबंधित जागरूकता हेतु हितग्राहियों को उद्बोधन दिया गया एवं सिकलसेल जागरूकता रथ को जिले के विभिन्न ग्रामों में प्रचार-प्रसार हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.आर. मण्डावी द्वारा सिकलसेल रोग के लक्षण एवं रोकथाम के बारे में जानकारी हितग्राहियों को दी गई। इस अवसर पर यशपाल सिंह पुलिस अधीक्षक, हेमंत ठाकुर परियोजना निदेशक, हेमेंद्र भुआर्य अनुविभागीय अधिकारी मोहला, श्रीकांत दुबे सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, समाजसेवी संजय जैन, योगेश खंडेलवाल, गमिता लोनहारे, डॉ. सीमा ठाकुर, डॉ. विकास राठौर, संतोष चंदेल एवं जिला प्रशासन के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय आयुष योगा वेलनेस सेंटर में 21 तक योग शिविर का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय आयुष योगा वेलनेस सेंटर राजनांदगांव में 17 से 21 जून 2024 तक 5 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। योग शिविर का शुभारंभ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. रमाकांत शर्मा उपस्थित थे। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शिल्पा पाण्डेय ने बताया कि योग शिविर में प्रतिदिन योग चिकित्सक डॉ. भारती यादव द्वारा योगाभ्यास कराया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होकर योग का लाभ ले रहे हैं। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शिल्पा पाण्डेय द्वारा नागरिकों को पीसीओडी में योग एवं आहार से होने वाले लाभ के बारे में बताया जा रहा है। प्रभारी आयुष पॉलीक्लिनिक डॉ. हर्षा बरैया द्वारा नागरिकों को प्रतिदिन योग एवं व्यायाम से होने वाले लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही शिविर में चित्रकला, कुर्सी दौड़, चम्मच गोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है तथा विजेता प्रतिभागियों को को पुरस्कार वितरण भी किया जा रहा है।

भव्य एवं गरिमापूर्ण मनाया जाएगा योग दिवस, शासन ने जारी किए विस्तृत निर्देश

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। इस साल भी देश-दुनिया के हर कोने के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी उत्साह से योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आयोजन की भव्य तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री साय के मुख्य आतिथ्य में योग दिवस का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। इसके अनुपालन में तैयारियों के लिए निर्देश विभिन्न विभागों को जारी किया गया है। इन निर्देशों के अनुपालन में तैयारियां आरंभ की जा चुकी हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन का कार्यक्रम राजधानी के साथ ही सभी जिला मुख्यालयों में विशेष रूप से होंगे। इनमें शासकीय के साथ ही अशासकीय संस्थाएं भी सहयोग करेगी। कार्यक्रम में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

सीएम साय कैबिनेट में बड़ा निर्णय: आदिवासी विकास व अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरणों का होगा पुनर्गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया।

इसका उद्देश्य पांचों प्राधिकरणों की कार्य प्रणाली को प्रभावी एवं सशक्त बनाने के साथ ही उन क्षेत्रों में जनसुविधा के कामों को गति प्रदान करना है। इन पांचों प्राधिकरणों की कमान अब सीधे मुख्यमंत्री के जिम्मे होगी। स्थानीय विधायकों में से एक विधायक को इसका उपाध्यक्ष मनोनीत किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे।

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव अथवा सचिव इन पांचों प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05 में बस्तर, सरगुजा एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का गठन तत्कालीन सरकार द्वारा किया गया था। तत्पश्चात् वर्ष 2012 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछडावर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया। इन प्राधिकरणों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हुआ करते थे। प्राधिकरणों के गठन के पश्चात् अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों, अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों, मजरा-टोला, पारा-मोहल्लों, वार्डों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकताओं के अनेक महत्वपूर्ण कार्य कराए गए थे। वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार द्वारा इन प्राधिकरणों के कार्य संचालन की प्रक्रिया में अमूल-चूल परिवर्तन कर दिया गया, जिसके चलते प्राधिकरणों का न सिर्फ महत्व कम हो गया, बल्कि इनके कार्यों में पारदर्शिता मॉनिटरिंग का अभाव होने के साथ ही शासन स्तर पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं रहा। उक्त स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कैबिनेट ने पांचों प्राधिकरणों के पुनर्गठन एवं निधि नियम के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान 23 फरवरी, 2024 को पारित अशासकीय संकल्प के तहत प्रदेश के जितने भी मैदानी क्षेत्र हैं, उन क्षेत्रों में भी जहां अनुसूचित जनजातियों की 25 प्रतिशत से अधिक बहुलता है, उन क्षेत्रों के गांवों एवं ब्लाकों को मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल किया गया है। प्राधिकरण अपना कार्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त कर, मतैक्य से मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्राधिकरण सामाजिक, आर्थिक एवं सर्वांगीण विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगा। प्राधिकरण को सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावशाली बनाया जाएगा। वर्तमान में प्राधिकरण के माध्यम से होने वाले विकास कार्यों के लिए बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के लिए 50-50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है तथा ग्रामीण एवं अन्य पिछडावर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के लिए 80 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट द्वारा उच्च शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्याता नीति-2024 का अनुमोदन किया गया। इसके अलावा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत चना वितरण हेतु निर्गम मूल्य पर चना क्रय करने के संबंध में कैबिनेट द्वारा निर्णय लिया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र एवं मॉडा क्षेत्र में अन्त्योदय एवं प्राथमिकता वाले परिवारों को चना वितरण हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित निर्गम मूल्य तथा नागरिक आपूर्ति निगम को प्राप्त रॉ चना की मिलिंग एवं परिवहन दर को जोड़कर प्राप्त कुल दर पर चना खरीदा जाएगा।

मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान मद से 14 हजार 369 व्यक्तियों एवं संस्थाओं को 19 करोड़ 37 लाख 93 हजार रुपए की स्वीकृत राशि का कार्योत्तर अनुमोदन मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही कैबिनेट द्वारा विदेशी मदिरा के थोक विक्रय एवं भंडारण हेतु वर्तमान में प्रचलित एफ.एल 10 ए बी अनुज्ञप्ति की व्यवस्था को समाप्त करते हुए सीधे विनिर्माता इकाईयों से विदेशी मदिरा का थोक क्रय किए जाने का अनुमोदन किया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि विदेशी मदिरा का क्रय इससे पहले लायसेंसियों द्वारा किया जाता था। सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त करने के साथ ही विदेशी मदिरा क्रय करने की जिम्मेदारी अब छत्तीसगढ़ बेवरेज कार्पोरेशन को दे दी है।

निवेशकों ने मुख्यमंत्री से मिलकर छत्तीसगढ़ में निवेश करने में दिखाई रूचि

छत्तीसगढ़ के लोगों के स्किल अपग्रेडेशन के लिए कंपनियां करें काम : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से यहां मंत्रालय में निवेशकों ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में निवेश करने में रूचि दिखाई। इन निवेशकों में इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और आईटी क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी टेलिपरफॉर्मेंस शामिल हैं।

इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने जशपुर में ग्रीन फील्ड सोलर प्लांट की स्थापना तथा नवा रायपुर अटल नगर में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब स्थापित करने में रूचि दिखाई है। कंपनी की योजना जशपुर में 400 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित करने की है। इसी तरह टेलिपरफॉर्मेंस कंपनी आईटी एवं आईटीज के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है, जिसने नवा रायपुर अटल नगर में 500 सीटर क्षमता का बीपीओ स्थापित करने में रूचि दिखाई है। मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों से चर्चा के दौरान कहा कि कंपनियों की जरूरत के मुताबिक छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनकी स्किल बढ़ाई जाए और उन्हें स्थापित की जाने वाली इकाईयों में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराया जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति के तहत छत्तीसगढ़ में निवेश करने वाले उद्यमियों और कंपनियों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे उद्योगों को प्रदेश में प्राथमिकता दी जा रही है, जिनसे प्रदूषण नहीं हो। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी भी उपस्थित थे। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने चर्चा के दौरान कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया गया है। यहां निवेश करना निवेशकों के लिए काफी सुविधाजनक होगा।

निवेशकों ने भी नवा रायपुर में विकसित किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, राहुल भगत, डॉ. बसवराजु एस., आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्रीमती आर. संगीता, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ कुमार भी उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों के लिए 31 जुलाई तक शिविरों का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों का चिन्हांकन, मूल्यांकन, परीक्षण, प्रमाणीकरण, विशिष्ट पहचान पत्र बनाने एवं पेंशन हितग्राहियों का सत्यापन तथा विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए 19 जून से 31 जुलाई 2024 तक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जनपद पंचायतवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के सफल संचालन के लिए परिवीक्षा अधिकारी श्रीमती सुखमा चंद्रवंशी को नोडल अधिकारी एवं बीके बघेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए श्रीमती मीना चंद्रवंशी, श्रीमती कंचनकला मेश्राम, श्री निखिल साहू की ड्यूटी लगाई गई है। जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत 19 जून 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुमका, जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत 26 जून 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमड़ीबोड़, जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत 29 जून 2024 तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरगी, अंतर्गत 24 जुलाई 2024 को 24 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरिया तथा जनपद पंचायत डोंगरगढ़ अंतर्गत 31 जुलाई 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले के 2033 हितग्राहियों को कराया गया गृह प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप एवं कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन में जिले के समस्त विकासखण्डों में आज सामूहिक रूप से अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर जिले के कुल 2033 लाभार्थियों को गृह प्रवेश कराया गया। इसके अंतर्गत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम बंजारी में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को फूल माला पहनाकर एवं घर की चाबी भेंटकर विधिवत् गृह प्रवेश कराया। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों को आवास निर्माण का पूर्णता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. कन्नौजे ने ग्राम बंजारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही कुंती बाई, उमाकांत एवं फगनूराम के नवनिर्मित आवास में पहुँचकर पूजा-अर्चना कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों फूलमाला पहनाकर एवं उपहार भेंटकर सम्मानित भी किया। डॉ. कन्नौजे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के नवनिर्मित आवासों में फलदार पौधों का रोपण करने तथा इनका समुचित देखभाल की व्यवस्था करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने इन नवनिर्मित आवासों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा सोख्ता गड्ढा का निर्माण कर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

इसके अलावा बालोद विकासखण्ड के ग्राम भोथली के टोपेश्वर, डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम कामता में शोभादास, गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम सांकरी में श्रीमती निर्मला ठाकुर तथा गुरूर विकासखण्ड के ग्राम कनेरी में सनत ठाकुर सहित जिले के कुल 2033 हितग्राहियों उनके नवनिर्मित आवासों में पूजा-अर्चना कर गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के अलावा जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि जिले में वित्तीय वर्ष 2016-23 तक कुल 32394 आवास स्वीकृत है। जिसके विरूद्ध कुल 29,825 आवास शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है। मानसुन के पहले विकासखण्ड बालोद में 258, डौण्डी में 485, डौण्डीलोहारा में 521, गुण्डरदेही में 472, गुरूर में 297 सहित कुल 2033 हितग्राहियों के आवास पूर्णता पश्चात् सामूहिक रूप से गृह प्रवेश कराया गया है। तकनीकी सहायक, सचिव, रोजगार सहायको की बैठक लेकर संबंधितो को हितग्राहियों के निर्माणाधीन आवासो में स्वयं निरीक्षण करने तथा हितग्राहियो से समन्वय स्थापित करते हुए निर्माणाधीन आवासो में तेजी लाते हुए वर्षा ऋतु के पूर्व शत-प्रतिशत पीएम आवासों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

सामूहिक जिम्मेदारी से दूर होगी सिकल सेल एनीमिया की बीमारी: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में देश 2047 तक विकसित भारत का रूप ले लेगा और इसी दौरान भारत से सिकल सेल एनीमिया की बीमारी भी पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज अटल बिहारी वाजपेयी आडिटोरियम, मेडिकल कालेज, रायपुर में विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस के अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्व सिकल सेल दिवस पर सिकल सेल की स्क्रीनिंग और जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होकर सिकल सेल जागरूकता रथ को रवाना किया और सिकल सेल से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सिकल सेल पीड़ितों को जेनेटिक कार्ड का वितरण किया और बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी जागरूकता फैलाने के लिए सिकल सेल की जानकारी देने वाली हल्बी और गोंडी भाषा की पुस्तिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सिकल सेल की जाँच और परीक्षण आवश्यक रूप से कराना चाहिए और इसकी रोकथाम के लिए सभी को जागरूक होना आवश्यक है द्य विवाह के पूर्व सभी महिला और पुरुष को सिकलसेल की जाँच करानी चाहिए और दोनों के पीड़ित होने पर शादी नहीं करनी चाहिए ताकि आनुवंशिक रूप से यह बीमारी अगली पीढ़ी मे स्थानांतरित न होने पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी समुदाय के लोग सिकलसेल एनीमिया से ज्यादातर पीड़ित हैं। इन पीड़ित मरीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग और आदिम जाति विकास विभाग के सहयोग से जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिकलसेल के लिए राष्ट्रीय स्तर का रिसर्च सेंटर प्रारंभ करने के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है ताकि प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया बीमारी से और बेहतर तरीके से बचाव किया जा सके।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलों के लक्षित 1 करोड़ 77 लाख 69 हजार 535 सिकल सेल स्क्रीनिंग के विरूद्ध कुल 1 करोड़ 11 लाख 06 हजार 561 स्क्रीनिंग कर लिया गया है द्य इस परीक्षण में 1 करोड़ 06 लाख 24 हजार 245 स्क्रीनिंग निगेटिव पाए गए है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 90 हजार 663 वाहक पाये गये हैं तथा 22 हजार 672 को बीमारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार सिकल सेल एनीमिया को छत्तीसगढ़ से पूरी तरह खत्म करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग और आदिम जाति कल्याण विभाग मिलकर इस बीमारी को खत्म करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश को स्वस्थ और विकसित प्रदेश बनाना है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रायपुर नगर निगम के परिक्षेत्र में इस दिन मांस बिक्री पूर्ण रूप से रहेगी प्रतिबंधित

रायपुर (ए.)। नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में कबीर जयंती पर शनिवार को मांस बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से कबीर जयंती 22 जून 2024 शनिवार को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस बिक्री दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया गया है। कबीर जयंती 22 जून को किसी भी दुकान में मांस बिक्री करते पाये जाने पर मांस जप्त करने की कार्यवाही की जायेगी और सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी। कबीर जयंती शनिवार को नगर पालिक निगम रायपुर के सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस बिक्री पर छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रतिबन्ध आदेश का परिपालन सुनिश्चित करवाने अपने -अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में सतत पर्यवेक्षण करेंगे।

छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि का हुआ विमोचन

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार, गीतकार,राजधानी रायपुर निवासी रामेश्वर शर्मा की गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित पुस्तक 'छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि' के दूसरे संस्करण का विमोचन हाल ही में वृंदावन सभागृह रायपुर में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ गीतकार रामेश्वर वैष्णव उपस्थित थे। अध्यक्षता भाषाविद डॉ.चित्तरंजन कर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरूण निगम संस्थापक छंद के छ, बलदाऊ राम साहू बाल साहित्यकार, और प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. राजन यादव विभागाध्यक्ष हिन्दी इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ मंच पर विराजमान थे। पत्रकार और दूरदर्शन एंकर शशांक खरे के संचालन में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के करकमलों से रामेश्वर शर्मा जी की गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित कृति 'छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि' का विमोचन किया गया। इसके बाद अतिथियों ने कृति के संदर्भ में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। विदित हो कि यह पुस्तक का दूसरा संस्करण है। प्रथम संस्करण 2022 में अभिव्यक्ति प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित हुआ था। लगभग 300 पृष्ठों की इस किताब की कीमत 460 रूपए है। दूसरे संस्करण को 2024 में स्वयं और साहित्यकारों के सहयोग से रायपुर से प्रकाशित किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ी काव्य, बाल-साहित्य, वीर रस, हास्य रस, व्यंग्य, दोहा, चौपाई, कुण्डलिया, वर्णिक छंद, कविता, मुक्तक, गजल, मुक्तछंद, गीत को रेखांकित करते 350 रचनाकारों को शामिल किया गया है।

महिला की वेसलप्लास्टी कर रीढ़ की हड्डी के दर्द से निजात दिलाई

डॉक्टरों का कमाल, फैक्चर रीढ़ को सुई से बोन सीमेंट डालकर जोड़ा

रायपुर (ए.)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के रेडियोलॉजी विभाग ने राज्य में पहली बार नॉन हीलिंग वर्टेब्रल कम्प्रेशन फैक्चर से पीड़ित 79 वर्षीय महिला की वेसलप्लास्टी कर रीढ़ की हड्डी के दर्द से निजात दिलाई। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. (प्रो.) विवेक पात्रे के नेतृत्व में सुई की एक छेद के जरिये बोन फिलिंग बैलून कंटेनर सिस्टम के माध्यम से रीढ़ की हड्डी में बोन सीमेंट इंजेक्ट कर यह सफलता प्राप्त की गई। यह राज्य का पहला वेसलप्लास्टी उपचार है जो पिन होल तकनीक से किया गया।

वर्टेब्रल कम्प्रेशन में रीढ़ की हड्डी टूट जाती है या दब जाती है। यह समस्या उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों के कमजोर होने पर अधिक आम होती है। इस प्रकार की समस्याएं स्पाइनल कैनाल को दबा सकती हैं जिससे लकवा भी हो सकता है।

प्रोसीजर की विस्तृत जानकारी

डॉ. विवेक पात्रे ने बताया कि वेसलप्लास्टी एक इमेजिंग-निर्देशित प्रक्रिया है। इसमें सबसे पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है, जहां वेसलप्लास्टी किया जाना है। फिर वहां मोटी सुई डाली जाती है और मेनुअल ड्रिल के जरिये वर्टेब्रल बॉडी में निश्चित स्थान पर जगह बनाई जाती है। इसके बाद, फ्लूरोस्कोपी एवं डीएसए मशीन की सहायता से बोन सीमेंट को बैलून कंटेनर के अंदर इंजेक्ट किया जाता है।

टीम और सहयोग

डॉ. विवेक पात्रे की टीम में न्यूरोसर्जन डॉ. मनीष टावरी, एनेस्थेटिस्ट डॉ. प्रतिभा जैन एवं डॉ. वृतिका, रेजिडेंट डॉ. पूजा कोमरे, डॉ. मनोज मंडल, डॉ. प्रसंग श्रीवास्तव, डॉ. घनश्याम वर्मा, डॉ. लीना साहू, डॉ. नवीन कोठारे, डॉ. सौम्या, डॉ. अंबर, रेडियोग्राफर नरेश साहू, जितेंद्र प्रधान, नर्सिंग स्टाफ ऋचा एवं यश शामिल थे। राज्य में इस पहली वेसलप्लास्टी की सफलता ने इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के क्षेत्र में नई उम्मीद जगाई है। इस प्रक्रिया से न केवल मरीज को तुरंत राहत मिली बल्कि यह भी साबित हुआ कि अत्याधुनिक तकनीकें अब राज्य के अस्पतालों में भी संभव हैं।

एकदम नई तकनीक

वेसलप्लास्टी एक नई तकनीक है। इससे पहले वर्टिब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी की जाती थी। वेसलप्लास्टी में, बैलून की छिद्रयुक्त संरचना के कारण सीमेंट का रिसाव एवं फैलाव नहीं होता है।

स्कूलों में बनाया जाएगा स्मार्ट क्लासरूम

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने ली स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में नये शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले शिक्षामंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तथा विभिन्न कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षकों की भर्ती, वेतन विसंगति, पदोन्नति, नई शालाओं के निर्माण समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में शिक्षा के स्तर को विश्व स्तरीय बनाने के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं राज्य में शिक्षकों के 33 हजार रिक्त पदों पर मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से स्वीकृति के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की जायेगी। इसके साथ ही राज्य में वेतन विसंगति और संयुक्त संचालक, उप संचालक, प्राचार्य, व्याख्याता, उच्च वर्ग शिक्षक, प्रधानपाठक (माध्यमिक शाला) की पदोन्नति के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया। मंत्री ने इन सारी विसंगतियां को जल्द से जल्द दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

श्री अग्रवाल ने सभी शासकीय और गैर शासकीय स्कूलों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराने के लिए पाठ्य पुस्तक निगम को निर्देश देते हुए कहा कि पुस्तकों को जिला स्तर पर उपलब्ध कराया जाए, वहां से सभी स्कूलों में शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले ही भेज दिया जाए। उन्होंने प्रदेश के जर्जर होते स्कूलों की बिलि्डग और नए भवनों के निर्माण के लिए डीएमएफ और सीएसआर मद से कार्य कराने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों के लिए शिक्षा विभाग की अलग से इंजीनियरिंग सेल निर्माण प्रक्रिया को जल्द ही पूर्ण करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिया। साथ ही विश्व स्तरीय शिक्षा मुहैया कराने के लिए सभी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और ई-क्लास रूम बनाने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य के ज्यादा से ज्यादा स्कूलों का पीएम श्री योजना के तहत अपग्रेडेशन करने के निर्देश दिए हैं।

श्री अग्रवाल ने राज्य के समस्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मैथ्स, साइंस, आट्र्स और कॉमर्स संकाय शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं की समय-समय पर जाँच एवं निरीक्षण करने को भी कहा एवं अशासकीय शालाओं में आरटीई के शुल्क की प्रतिपूर्ति की जानकारी ली। उन्होंने अशासकीय शालाओं में शुल्क वृद्धि, गणवेश, पुस्तक खरीदी एवं आरटीई के तहत प्रवेश में गड़बड़ी न हो इसके लिए जिला स्तर पर कमेटी गठित करने को भी कहा जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो और नियम विरूद्ध कार्य करने वाले शालाओं के विरुद्ध कार्यवाही के भी निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर निजी विद्यालयों को अनुदान देकर विद्यार्थियों को इसमें शिक्षा दिलाने पर जोर दिया।

शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक शैक्षणिक सत्र में दो बोर्ड परीक्षाएं आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही कमजोर बच्चों के लिए जिला स्तर पर कोचिंग केंद्र खोलने की बात कही। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर शुरू करने के भी निर्देश दिए। विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा का सही ज्ञान देने के लिए भाषा एक्सपर्ट की नियुक्ति के साथ ही जिन क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी है उसे तत्काल पूरा करने के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती के निर्देश दिए हैं।

श्री अग्रवाल ने राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विभाग को शिक्षकों के उचित प्रशिक्षण के लिए निर्देश दिए। साथ ही डाईट सेंटर का फिर से कायाकल्प किया जाएगा और जरूरत पडने् पर दूसरे राज्यों से भी राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों को बुलाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा में समन्वय के लिए एक समिति बनाने को भी कहा है। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन /2047 विजन डॉक्यूमेंट को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही न्योता भोज कार्यक्रम की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, समग्र शिक्षा प्रबंध संचालक संजीव झा, लोक शिक्षण संचालक दिव्या मिश्रा, एससीईआरटी संचालक राजेंद्र कटारा, प्रबंध संचालक पाठ्य पुस्तक निगम कुलदीप शर्मा, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल श्रीमती पुष्पा साहू एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी को देखते हुए

अग्रवाल महिला मंडल ने किया छाछ का वितरण

रायपुर (ए.)। भीषण गर्मी को देखते हुए बुधवार को रामसागर पारा - जवाहर नगर अग्रवाल महिला मंडल की सदस्यों ने जवाहर नगर के श्री शिव राधा कृष्ण मंदिर, राठौर चौक हनुमान मंदिर और चिकनी मंदिर गोलबाजार के सामने राहगिरों को 200 लीटर छाछ का वितरण किया। प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने बताया कि आगामी कार्यक्रम पर्यावरण पर होगा जहां वृहद स्तर पर पोधों का रोपण समाज के द्वारा किया जायेगा।

इस अवसर पर अग्रवाल सभा के महा मंत्री मनमोहन अग्रवाल, महिला मंडल प्रभारी कैलाश मुरारका, महिला मंडल की अध्यक्षा माया मुरारका, सचिव ममता अग्रवाल, संयोजिका बॉबी जैन, सह सेयोजिका ज्योत्सना अग्रवाल, संगठन मंत्री शशि अग्रवाल, मंत्री संजू अग्रवाल, मीना अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, बृजलता अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, सपना अग्रवाल, रामसागरपारा - जवाहर नगर के संयोजक आयुष अग्रवाल, पूर्व संयोजक संजय अग्रवाल, किशन अग्रवाल के अलावा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निमोरा एसटीपी का 4 एमएलडी जल प्रतिदिन 6000 रुपए प्रति एमएलडी देने हुआ एमओयू

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समाज हितकारी मंशा के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम रायपुर प्रशासन के सतत प्रयासो एवं पहल के सुफल स्वरूप नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक में लिये गये संकल्प के पालन में आज नगर पालिक निगम रायपुर और हीरा ग्रुप की इकाई आलोक फेरो एलायज लिमिटेड के मध्य कारा, निमोरा एसटीपी से प्रतिदिन 4 एमएलडी जल औद्योगिक उपयोग करने देने हेतु एमओयू संपन्न हुआ ।

एमओयू के दौरान नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा सहित हीरा ग्रुप के डायरेक्टर अजय दुबे, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, स्वच्छ भारत मिषन के कार्यपालन अभियंता रधुमणी प्रधान, सहायक अभियंता योगेश कडु, जोन कमिश्नरगण, कार्यपालन अभियंतागण, सहायक अभियंतागण, नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में उपस्थित थे। एमओयू के क्रियान्वयन के साथ ही कारा एसटीपी से 1 एमएलडी और निमोरा एसटीपी से 3 एमएलडी कुल 4 एमएलडी जल औद्योगिक उपयोग उपचारित करने पश्चात हेतु प्रतिदिन 6000 रु. प्रति एमएलडी जल देने पर नगर निगम रायपुर को प्रति वर्ष लगभग 84 लाख रू. वार्षिक आय होने एवं इससे 40 लाख लीटर जल का संरक्षण सहज तरीके से होने का मार्ग शीघ्र पूरी तरह प्रशस्त हो जायेगा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आदेशानुसार एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार रायपुर जिला प्रषासन सहित नगर पालिक निगम रायपुर राजधानी शहर में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के साथ मिलकर नगर निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर राज्य शासन की समाज हितकारी मंशा के अनुरूप विभिन्न योजनाओ में तेजी से कार्य कर रहा है।

समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल करते हुए नगर निगम रायपुर ने हीरा ग्रुप की इकाई आलोक फेरो एलायज लिमिटेड के साथ नगर निगम मुख्यालय में एमओयू (मेमोरेण्डम ऑफ अंडरस्टेण्डिंग) नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एमडी अबिनाश मिश्रा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि एमओयू अनुसार नगर निगम रायपुर कारा, एसटीपी से 1 एमएलडी एवं निमोरा एसटीपी से 3 एमएलडी जल आलोक फेरो एलायज लिमिटेड को औद्योगिक उपयोग हेतु प्रतिदिन 6000 रु. प्रति एमएलडी की दर पर प्रदान करेगा। कारा और निमोरा एसटीपी से लेकर हीरा ग्रुप की इकाई के प्लांट के क्षेत्र तक उक्त जल ले जाने आवश्यक पाईप लाईन फिल्टर सिस्टम डालने के कार्य में लगने वाला सम्पूर्ण व्यय हीरा ग्रुप की इकाई आलोक फेरो एलायज लिमिटेड द्वारा वहन किया जायेगा। इससे नगर निगम रायपुर को प्रति वर्ष लगभग 84 लाख रु. की वार्षिक आय होगी। वार्षिक आय के नये संसाधन सहित इससे पर्यावरण सुधार की दिशा में अब तक प्रतिदिन लगभग 40 लाख लीटर जल जो औद्योगिक क्षेत्रों में भूजल एवं नदी से लिया जा रहा था, उस पर रोक लगने से एवं उसका पुर्नउपयोग होने से प्रतिदिन 40 लाख लीटर जल का संरक्षण नियमित रूप से हो सकेगा एवं इसे शासन की समाज हितकारी एवं लोक कल्याणकारी मंशा के अनुरूप पूर्ण सदूपयोग किये जाने का मार्ग सहजता से प्रशस्त हो जायेगा।

जून माह में महिलाओं के बैंक खाते में जारी किए गए 50 करोड़ 93 लाख 36 हजार 9 सौ रुपए

बदल रही तकदीर, आर्थिक सशक्ति से परिवार में बढ़ा सम्मान

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना का मूल उद्देश्य अब कारगर होता दिखाई दे रहा है। आर्थिक मजबूती से परिवार सम्पन्न हो रहा है और महिलाओं के जो सपने थे, वे अब साकार होने लगे हैं। रायपुर की लक्ष्मी फुटान ने सपना संजोया था, लेकिन आर्थिक तंगहाली की वजह से सपने अब तक पूरा नहीं कर पाई थी, महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है।

लक्ष्मी घर का कामकाज संभालती है। उनके पति गोपाल फुटान रोजी-मजदूरी करते है। लक्ष्मी बताती हैं कि पति की कमाई घरेलु खर्च पर ही इस्तेमाल हो जाता है। छोटी-मोटी जरूरतों की चीज भी खरीदने में काफी परेशानियां होती है, लेकिन अब जरूरतें भी पूरी होने लगी हैं। योजना की राशि का इस्तेमाल घर के खर्च में भी होता है और बचत भी कर रही है। क्योंकि भविष्य भी सुरक्षित हो सकेगा। यह दौर भी ऐसा आया है कि हाथ में पैसे होने से परिवार में भरपूर सम्मान मिल रहा है। वे बताती है कि सोने-चांदी के जेवर पहनने का मन काफी समय से है, लेकिन माली हालत उतनी अच्छी नहीं थी, जिससे वे जेवर खरीद सके। अब सपने पूरा करने के लिए वे प्रतिमाह बैंक अकाउंट में योजना से मिलने वाली राशि को इकट्ठे कर रही है। जिससे वे जेवर की खरीदी कर सके। लक्ष्मी यह भी कहती है कि बहुत खुशी होती है कि घर में बैठकर इतनी राशि मिल रही है। उनके दो बच्चे टीकम और धनेंद्र के भविष्य की चिंता भी थी, हमेशा यही लगता था कि मैं भी थोड़ा आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए कुछ काम करूं, पर राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना का मिलने से सही समय पर राशि प्रतिमाह मिल जाता है। उस पैसे की बचत कर बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित कर रही हूं। साथ ही अब घर की छोटी-मोटी चीजों को खरीदने के लिए पति पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं पड़ती है। कुछ घरेलु खर्च होता है तो खुद पूरा कर लेती है। अब ज्यादा निर्भरता नहीं रहती है।

लक्ष्मी कहती है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। मेरे जैसे लाखों महिलाओं को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिल रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद करते है। वे यह भी बताती है कि खान-पान भी बेहतर होता जा रहा है। राशन और घर की अन्य चीजें भी खरीदने के लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। अब सशक्त होने का अवसर प्राप्त हुआ है और बेहतर पोषण से जीवन भी बेहतर होगा और परिवार भी स्वस्थ रहने के साथ खुशहाल भी रहेगा। जीवन में उत्तरोतर विकास से समृद्धि भी आएगी। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य में विवाहित महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह (कुल 12,000 रुपए सालाना) वित्तीय सहायता दी जा रही है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है।महिलाएं खुश है कि वो महतारी वंदन योजना से मिली राशि से अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर पा रहीं हैं साथ ही कई महिलाएँ भविष्य के लिए निवेश भी कर रहीं हैं।

राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार नगर निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन में नगर निगम राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, राजस्व अधिकारी विवेकानंद दुबे, आईटी विशेषज्ञ रंजीत रंजन, सहायक राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में ली एवं रायपुर नगर पालिक निगम के हित में कार्य करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिये। अपर आयुक्त ने सहायक राजस्व अधिकारियों को राजस्व वसूली कार्य में निगम हित में तेजी लाने के निर्देश दिए अपर आयुक्त ने सभी राजस्व निरीक्षकों एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों को प्रतिदिन नियमित रूप से 10-10 घरों में सम्पर्क करके राजस्व वसूली कार्य हेतु डिमांड नोटिस देने एवं आवश्यक होने पर स्थल पर ही नियमानुसार करदाताओं के रिकार्ड को अपडेट करने के निर्देश दिए है।

निखिल पटेल ने शोहरत के लिए दलजीत से की शादी, केन्या में अपने अधिकारों के लिए लड़ रहीं एक्ट्रेस

टीवी की मशहूर अभिनेत्री दलजीत कौर अक्सर अपनी निजी जिंदगी की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। साल 2023 में वे निखिल पटेल के साथ दूसरी बार शादी के बंधन में बंधी थीं। इससे पहले उनकी पहली शादी टीवी के मशहूर अभिनेता शालीन भनोट के साथ हुई थी। वह अपनी शादी को लेकर भारत और केन्या में अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। अब हाल ही में, अफवाहें फैल रही हैं कि निखिल ने दलजीत से केवल फेम के लिए शादी की थी। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

निखिल पटेल अपनी निजी जिंदगी के लिए चर्चा में हैं। रिपोर्ट क अनुसार, उन्हें पता था कि जब उन्होंने दलजीत कौर को किनारे लगाया तो इससे उनकी छवि पर असर पड़ेगा, क्योंकि कौर ने दावा किया था कि वह उन्हें धोखा दे रहे थे।

दलजीत के एक करीबी ने कहा, उन्होंने सोचा, क्यों न वे अपने निजी जीवन को और अधिक सार्वजनिक करके उससे प्रचार प्राप्त करें? इसलिए, उन्होंने आगे बढ़कर एक प्रचारक को नियुक्त किया, जिसने उन्हें मीडिया पर अपनी छवि को साफकरने में मदद की। अगर निखिल कहते हैं कि वे पब्लिसिटी स्टंट में नहीं पड़ना चाहते हैं तो क्या वे अपने विवाद के कानूनी पहलुओं को भी सार्वजनिक डोमेन में जारी करने का एक अभियान शुरू करके खुद के ऊपर उंगली नहीं उठा रहे हैं।

एक दूसरे सूत्र ने कहा, क्या भारत में कोई भी निखिल पटेल के बारे में दलजीत से शादी करने से पहले लिखता? बिलकुल नहीं। निखिल पटेल की भारत में प्रसिद्धि का एकमात्र दावा यह है कि उन्होंने दलजीत कौर से शादी की है, जो एक सेलिब्रिटी हैं। वह भारत में प्रसिद्ध होना चाहता था और दुख की बात है कि इस संबंध में उसकी लालच ने उसे कुछ महिलाओं का जीवन बर्बाद करने के लिए बढ़ावा दिया। दलजीत को छोड़कर उसने व्यावहारिक रूप से कुछ हासिल नहीं किया है, लेकिन इस दुनिया में कुछ लोग इतने खोखले हैं कि उन्हें अपने गलत कामों का बिल्कुल भी पछतावा नहीं है।

बता दें कि यह सब तब शुरू हुआ जब दलजीत कौर ने सोशल मीडिया पर निखिल पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, निखिल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि दलजीत के साथ उनकी शादी का सिर्फ सांस्कृतिक महत्व है और कोई कानूनी महत्व नहीं है।

हॉट समर में 'एनिमल' गर्ल ने लगाई समुंदर में आग, एक-एक तस्वीर में दिखा तृप्ति का किलर अंदाज

'एनिमल' एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी एक बार फिर खबरों में हैं। इस बार वो अपनी फिल्म नहीं बल्कि अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के लेकर चर्चा में है, जिसने इंटरनेट पर आग लगा दी है। इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी बिकनी में अपनी कमसिन अदाओं से लोगों का दिल धड़का रही हैं।

'एनिमल' गर्ल ने लगाई समुंदर में आग

'एनिमल' एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी लगातार किसी न किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। इस फिल्म से एक्ट्रेस ने नया मुकाम हासिल किया है। इस फिल्म के बाद उन्हें बैक टू बैक कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। वहीं फिल्मों के अलावा तृप्ति अपनी खूबसूरती को लेकर भी सोशल मीडिया पर तबाही मचाती हैं। इस बार भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया है। हाल ही में तृप्ति डिमरी ने सोशल मीडिया पर बिकनी में अपनी कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देख फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

बिकनी में ढाया कहर

तृप्ति डिमरी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वह ब्लैक और ग्रीन बिकिनी पहने हुए दिखाई दे रही हैं। इस दौरान समंदर बीच पर तृप्ति अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई अपनी कमसिन अदाओं से लोगों के हाश उड़ाती नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी अपने इन बिकनी लुक्स में सोशल मीडिया पर कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं। उनकी इन फोटोज को देखकर उनके रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाए हैं। उन्होंने तृप्ति डिमरी के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा– 'गॉर्जियस' इसके अलावा फैंस भी एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर कमेंट कर उनके इस लुक की तारीफकरते हुए नहीं थक रहे हैं।

तृप्ति डिमरी का वर्क फ्रंट

बता दें, तृप्ति डिमरी ने अपने करियर की शुरुआत 'पोस्टर बॉयज' से की थी। इस फिल्म को श्रेयस तलपड़े ने प्रोड्यूस किया था। इसके अलावा तृप्ति डिमरी बाबिल खान के साथ फिल्म 'कला' में नजर आ चुकी हैं। हालांकि तृप्ति डिमरी को ज्यादा पॉपुलैरिटी फिल्म एनिमल से मिली। इस फिल्म में जोया वहाब रियाज की भूमिका में तृप्ति ने हर किसी को दीवाना बना दिया । इसके अलावा एक्ट्रेस का काम फिल्म 'लैला मजनू' में भी पसंद आया। अब एक्ट्रेस जल्द ही 'भूलभुलैया 3' में नजर आएंगी। इसके अलावा वो विक्की कौशल के साथ 'बैड न्यूज' में भी दिखाई देंगी।

अमिताभ बच्चन ने दोहराई पुरानी गलती, ऐश्वर्या राय की फिल्म के बारे में ट्वीट करते लिखा कुछ ऐसा कि भड़क गए लोग

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की फिल्म 'रावण' ने 14 साल पूरे कर लिए हैं। ऐसे में टीम अभिषेक नाम के सोशल मीडिया यूजर ने 'रावण' का वीडियो शेयर कर अभिषेक और ऐश्वर्या को बधाई दी। अमिताभ बच्चन ने इस ट्वीट को अपने सोशल हैंडल पर री-पोस्ट किया और अभिषेक की तारीफ की। उन्होंने इस पोस्ट में अपनी बहू ऐश्वर्या का जिक्र नहीं किया।

पोस्ट कर लिखा

अमिताभ ने लिखा, अभिषेक का अविस्मरणीय प्रदर्शन आपकी अन्य फिल्मों के किरदारों से बहुत अलग और यही एक कलाकार का असली मूल्य है! प्यार। बता दें, ये पहली बार नहीं है जब अमिताभ ने ऐश्वर्या को इग्नोर किया हो। इससे पहले भी अमिताभ ने 'बंटी और बबली' के 19 साल होने पर अभिषेक की तरीफ की थी, लेकिन ऐश्वर्या के बारे में कुछ नहीं लिखा था। बल्कि इस फिल्म में ऐश्वर्या, अमिताभ और अभिषेक ने 'कजरा रे' पर स्पेशल परफॉर्मेंस दी थी। ऐसे में लोग भड़क गए हैं। वे अमिताभ को सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं।

क्या बोल रही है पब्लिक?

एक सोशल मीडिया यूजर ने अमिताभ की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, सर, ऐश्वर्या ने भी इस फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस दिया है। उनके अभिनय की प्रशंसा न करना उचित नहीं है। दूसरे यूजर ने लिखा, इस वीडियो में नजर आ रहीं एक्ट्रेस ने भी अविस्मरणीय प्रदर्शन किया है। वह वास्तव में शानदार कलाकार हैं। उनकी तारीफ नहीं की आपने? तीसरे यूजर ने लिखा, 'आप जिस तरह से अभिषेक को सपोर्ट करते हैं, उनकी तारीफ करते हैं उस तरह से आप अपनी बहू को सपोर्ट क्यों नहीं करते हैं?' चौथे यूजर ने लिखा, 'ऐश्वर्या के बारे में बात करने से आप क्यों डरते हैं?' पांचवें यूजर ने लिखा, 'आप ऐश्वर्या का जिक्र न करके अफवाहों को और हवा दे रहे हैं।'

कोल्ड ड्रिंक्स पीते हैं तो सावधान हो जाइए, आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती है ये आदत

गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक्स का ट्रेंड बढ़ जाता है। हर कोई दुकान पर कोल्ड ड्रिंक्स लेकर पीना पसंद करता है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए। क्योंकि ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। हाल ही में आई एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग हफ्ते में दो बार कोल्ड ड्रिंक्स या मीठे पेय पीते हैं उनमें दिल की बीमारियों का खतरा 50 प्रतिशत तक ज्यादा होता है।

वैज्ञानिकों ने बताया मार्केट में आसानी से उपलब्ध कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा और मीठे पेय जैसे ऐडेड शुगर वाले ड्रिंक्स सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसकी थोड़ी सी भी मात्रा भी गंभीर और जानलेवा हो सकती है।

कोल्ड ड्रिंक्स से हार्ट डिजीज का खतरा

एक स्टडी रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने पाया कि कम मात्रा में भी मीठे पेय पीना भी बहुत ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है। हार्वर्ड के टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में फूड्स और न्यूट्रिशन रिसर्च साइंटिस्ट डॉ। लोरेना पचेको ने इन ड्रिंक्स के खतरों से आगाह किया है।

1 लाख से ज्यादा लोगों पर हुए अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है नियमित तौर पर एक्सरसाइज करने वाले भी अगर हफ्ते में सिर्फ दो बार मीठे पेय पीते हैं, उनमें दिल की बीमारियों का खतरा 15त्न तक ज्यादा होता है। वहीं, जिन पार्टिसिपेंट्स ने हफ्ते में दो बार मीठे पेय लिए और एक्सरसाइज नहीं किया, उनमें हार्ट डिजीज का खतरा 50त्न ज्यादा देखा गया है।

अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि अगर आप किसी रूप में चीनी का ज्यादा सेवन करते हैं, तो सेहत पर गंभीर नुकसान हो सकता है। लिक्विड के रूप में यह ज्यादा हानिकारक हो सकता है। डॉ। लोरेना पचेको के अनुसार, चीनी-मीठे पेय पदार्थों का सेवन करने से जितना संभव हो उतना बचना चाहिए। इससे दिल की बीमारियां ही नहीं, डायबिटीज, मोटापा और इंफ्लामेशन का रिस्क रहता है।

का कहना है कि हाई ग्लूकोज का लेवल और हाई इंसुलिन की वजह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचने, डायबिटीज और इसकी जटिलताओं का जोखिम रह सकता है। इंसुलिन प्रतिरोध भी हार्ट डिजीज के लिए एक बड़ा रिस्क रहता है।

प्रोफेसर स्टेनली सलाह देते हैं कि मीठी चीजों से, खासकर एडेड शुगर से दूरी बनाकर ही रखना चाहिए।

इस साल कई फिल्में दर्शकों के बीच आईं, लेकिन क्रू ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाका किया। न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेशों में भी फिल्म ने जमकर कमाई की। उधर करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया। सिनेमाघरों के बाद फिल्म ने ओटीटी पर भी तहलका मचाया और अब यह नेटफ्लिक्स पर 2024 में सबसे ज्यादा देखी गई फिल्म बनकर उभरी है।

क्रू ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म लापता लेडीज को भी पीछे छोड़ दिया है।इसे 10 जून से 16 जून तक 12 लाख लोगों ने देखा, जिससे 24 दिनों में इसके कुल व्यूज 1 करोड़ 79 लाख हो गए।उधर लापता लेडीज के नेटफ्लिक्स पर शीर्ष 10 में रहने के दौरान 1 करोड़ 71 लाख व्यूज थे। लिहाजा क्रू साल की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है, वहीं लापता लेड़ीज अब दूसरे पायदान पर आ गई है।

क्रू ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से अधिक की कमाई की थी और 8 हफ्ते सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन पूरा करने के बाद 24 मई को इसका नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुआ।अपने प्रीमियर के पहले हफ्ते में फिल्म 54 लाख व्यूज बटोर चुकी थी।कुल मिलाकर क्रू ने न सिर्फ सिनेमाघरों में दर्शकों के बीच अपना जादू चलाया, बल्कि ओटीटी पर भी यह दर्शकों को लुभाने में कामयाब रही।

क्रू के निर्देशक राजेश ए कृष्णन हैं। एकता कपूर और रिया कपूर ने मिलकर फिल्म का निर्माण किया है। इसमें कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ मेहमान भूमिका में हैं। क्रू की कहानी कोहिनूर एयरलाइंस में काम करने वाली 3 एयर होस्टेस गीता सेठी (तब्बू), जैस्मिन राणा (करीना) और दिव्या बाजवा (कृति) के इर्द-गिर्द घूमती है। इन तीनों को अपने जीवन की कठिनाइयों से निपटने के लिए ऐसे काम करने पर मजबूर किया जाता है, जिनसे वे नफरत करती हैं।

बात करें लापता लेडीज की तो इसके निर्माता आमिर खान, वहीं निर्देशक किरण राव हैं।इस फिल्म को भले ही समीक्षकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली, लेकिन सिनेमाघरों में यह दर्शकों के लिए तरस गई।उधर ओटीटी पर इसे खूब प्यार मिला और आते ही फिल्म ने रणबीर कपूर की एनिमल को पटखनी दी।इस फिल्म में रवि किशन के अलावा स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

क्रू ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2024 में नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय फिल्म

खास खबर

जिला ओलंपिक संघ की हुई बैठक, 23 को विश्व ओलम्पिक दिवस के अवसर पर होगी दौड़

जांजगीर। जिला ओलम्पिक संघ जांजगीर चाम्पा का आवश्यक बैठक 17 जून को नेताजी चौक स्थित सुल्तानिया चेम्बर में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से आगामी 23 जून को विश्व ओलम्पिक दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र चोक जांजगीर से केरा रोड हॉकी चर्च मैदान तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा जिसमे प्रथम स्थान से दसवीं स्थान अर्जित करने वाले महिला/पुरूष धावकों को प्रमाण पत्र एवं स्पेशल गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा, साथ ही सभी खेलो के वरिष्ठ एवं वर्तमान में उत्कृष्ट सेवा करने वाले कोच एवं खिलाड़ियों का भी सम्मान किया जाएगा, बैठक में प्रमुख रूप से युवा समाजसेवी कार्यकारिणी अध्यक्ष जिला ओलंपिक संघ अमर सुल्तानिया, संयोजक गोपेश्वर कहरा, अध्यक्ष हितेश यादव, सचिव जितेंद्र तिवारी, संयुक्त सचिव वरुण पाण्डेय, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र राठौर सहित नेटबॉल संघ के राजेश राठौर, कराटे संघ के रूखमणी रानू, फेंसिंग संघ के खोलबहरा बरेठ, हैमरबॉल से अखिलेश आदित्य,राजीव सिंह, रमेश सोनवानी, बैडमिंटन संघ बृजेश अग्रवाल, फुटबॉल अमितेश राठौर, एथलेटिक्स धर्मेंद्र यादव, बास्केटबॉल सुनील साहू, हैंडबॉल गौरव कुमार, बॉलीबाल भीम प्रसाद श्रीवास,दीपक यादव, हैंडबाल अशोक साहू, एन सी सी दिनेश चतुर्वेदी, विक्की सिंह,राम कुमार सहित विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारि एवं कोच उपस्थित थे।

सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करेंः रामविचार नेताम

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार सभी वर्गों के हित को ध्यान में रखकर अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। इसका लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को अनिवार्य रूप से मिल सके, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने केन्द्र प्रवर्तित और राज्य प्रवर्तित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कर हितग्राहियों को व्यापक स्तर लाभ पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नेताम मंगलवार को बलरामपुर जिला कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास तथा बलरामपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित थी। मंत्री नेताम ने समीक्षा बैठक में कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना सुनिश्चित हो। कोई भी प्रकरण लंबित न हो इसके लिए अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक करें। उन्होंने राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निराकृत करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने विभिन्न विभागों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं निर्देश देते हुए शासन के कार्यों को समय-सीमा में करने के निर्देश दिए। आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री नेताम ने आश्रम-छात्रावास के संचालन संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रिक्त पदों और भर्ती के संबंध में चर्चा की।

राशन कार्डधारी परिवारों से 30 जून 2024 तक अनिवार्य रूप से ई-केवायसी की कार्यवाही पूर्ण करवाने की अपील

जगदलपुर। भारत सरकार के निर्देशानुसार एक राष्ट्र एक राशकार्ड योजनांतर्गत राज्य के सभी राशनकार्डधारी हितग्राहियों का ई-केवायसी, ई-पॉस उपकरण के जरिए पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गये हैं। वर्तमान में जिले में 791448 हितग्राहियों में से 578674 हितग्राहियों का ई-केवायसी किया गया है तथा 212774 हितग्राहियों का ई-केवायसी की कार्यवाही किया जाना शेष है। खाद्य विभाग द्वारा 30 जून 2024 तक ई-केवायसी की कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिये गए हैं। जिले में राशनकार्डों में दर्ज सदस्यों में से 73.12 प्रतिशत सदस्यों के द्वारा अभी तक उचित मूल्य की दुकान में उपस्थित होकर ई-पास मशीन के माध्यम से ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करा लिया गया है। खाद्य अधिकारी द्वारा आग्रह किया गया है कि जिले के ऐसे राशन कार्डधारी सदस्य जिनके द्वारा अभी तक ई-केवायसी नहीं कराया गया है उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर ई-पास मशीन के माध्यम से 30 जून 2024 तक अनिवार्य रूप से ई-केवायसी की कार्यवाही पूर्ण करवाएं।

अनुशासन, साहस और निस्वार्थ भाव से सेवा के लिए प्रेरित करता है एनसीसी : विष्णु देव साय

नेशनल लेवल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नौ सेना, थल सेना और वायु सेना कैडेट को भी मिला पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि एनसीसी ऐसा संगठन है जो युवाओं को अनुशासन सिखाता है, चरित्र निर्माण करता है, साहसी बनता है और निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करता है। एनसीसी हमारे युवाओं को सेना और अन्य सुरक्षा बलों में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। मुख्यमंत्री अपने निवास परिसर में आयोजित एनसीसी कैडेट और प्रशिक्षकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, श्रीमती भावना बोहरा, डीजी एनसीसी लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, एडीजी मेजर जनरल एके महाजन, एनसीसी मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर वीएस चौहान सहित सेना के अधिकारी और कैडेट मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गणतंत्र दिवस परेड में शामिल एनसीसी के अधिकारियों और कैडेट्स को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह बड़े ही गौरव का क्षण है। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर राज्य के एनसीसी कैडेट्स को परेड करते हुए देखना बड़ा ही सुखद होता है। गणतंत्र दिवस परेड के लिए राज्य के किसी कैडेट का चयनित होना न सिर्फउस कैडेट के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एनसीसी का ध्येय वाक्य ही है- 'एकता और अनुशासन' और इसी पर चलते हुए एनसीसी ने राष्ट्र प्रेम को सींचा है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया है। श्री साय ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि एनसीसी में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ रही है। हमारी बच्चियों ने राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक एनसीसी का नेतृत्व कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। आज भारत की उपलब्धियों का गौरवगान पूरी दुनिया कर रही है। इन उपलब्धियों में निश्चित रूप से युवाओं की बड़ी भागीदारी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य देश के सामने रखा है। हमारे ऊर्जावान युवाओं के योगदान से हम सब अवश्य ही इस लक्ष्य को हासिल करेंगे और अपने देश को दुनिया के सबसे मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप भविष्य में जो भी काम करें, हमेशा याद रखें कि आप राष्ट्र निर्माण का काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर एनसीसीसी द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षुओं और कैडेट को सम्मानित किया। सम्मान समारोह के अंत में कैडेट्स द्वारा बैगा जनजाति पर आधारित नृत्य और कुचीपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

एनसीसी के अधिकारियों ने एनसीसी रायपुर ग्रुप के उपलब्धियां की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह देश का सबसे बड़ा एनसीसी ग्रुप है जिसमें 16 यूनिट संचालित है। एनसीसी रायपुर ग्रुप में 342 शैक्षणिक संस्थान संबद्ध है, इसमें तकरीबन 23 हजार स्टूडेंट है, जिसमें 43त्न लड़कियां है। इस वर्ष 2024 के रिपब्लिक डे परेड के के बारे में उन्होंने बताया कि इसमें कुल 25 महिला कैडेट्स ने हिस्सा लिया था, जिसमें चार कैडेट छत्तीसगढ़ की थी, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। साथ ही उन्होंने एनसीसी रायपुर ग्रुप द्वारा संचालित गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विश्व सिकलसेल दिवस पर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर विधायक ने किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर दंतेवाड़ा में सिकलसेल जागरूकता रथ को जिला चिकित्सालय से हरी झंडी दिखाकर विधायक श्री चैतराम अटामी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने रवाना किया। उल्लेखनीय कि 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस आयोजन को आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विभाग एवं लोक स्वास्थ्य एवं कल्याण विभाग के द्वारा जिला चिकित्सालय में जिला स्तरीय विश्व सिकलसेल दिवस कार्यक्रम आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक चैतराम अटामी कहा कि सभी बीमारियों के प्रति हमें जागरूक होना जरूरी है। मौसम के बदलने के साथ-साथ कई प्रकार की बीमारियों होती है। इस समय आम जनों को बहुत सजग होना चाहिए। कोई भी बीमारी ऐसा नहीं है जिससे हम लड़ कर के जीत नहीं सकते हैं बस समय-समय पर चिकित्सक की सलाह लेकर जांच करवाने सहित उपचार करवाते रहना चाहिए। आज देश के प्रधानमंत्री के द्वारा पूरे राष्ट्र में सिकलसेल जागरूकता अभियान चलाई जा रही है, जिससे इस बारे में समाज में चेतना विकसित हो सके।

इसके साथ उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में चिकित्सकों के सहयोग से सारे लोग हम एकजुट होकर इस महामारी का सामना किये। इसी तरह सिकलसेल जैसे बीमारी का जांच एवं उपचार करवाएं और निरंतर सजगता बरतें। श्री अटामी ने कहा कि चिकित्सक का प्रथम कार्य आमजनों का सेवा करना और इस सेवा कार्य को पूरे प्राथमिकता के साथ करने को भी कहा। इसके अलावा उन्होंने जिला चिकित्सालय में आमजनों एवं ग्रामीणों को गोंडी भाषा में भी संबोधित किया।

शत-प्रतिशत श्रमिकों को मिले शासन की योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा है कि प्रदेश के शत-प्रतिशत श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। श्रमिकों के हित को प्राथमिकता में लेते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। जिससे श्रमिकों के जीवन स्तर में बेहतर सुधार हो सके।

इस आशय के निर्देश श्रम मंत्री देवांगन ने विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में श्रमायुक्त एवं सह-सचिव श्रीमती अलरमेल मंगई डी, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की सचिव सविता मिश्रा, अपर श्रम आयुक्त एस. एल जांगड़े सहित जिलों से आए श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

श्रम मंत्री ने औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालनालय से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अत्याधिक जोखिम तथा जोखिम श्रेणी के कारखानों के निरीक्षण प्रत्येक वर्ष 2 से 3 बार किए जाने तथा निरीक्षण के दौरान स्वीकृत नक्शों के अनुरूप कारखाना निर्मित नहीं होने एवं कारखानों में दिए जाने प्रशिक्षण करने संबंध में निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पूर्ण 6,386 कारखानें है जिनमें 922 जोखिम श्रेणी के कारखानें के रूप में चिन्हित किया गया है। श्रम मंत्री ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए प्रदेश में नि:शुल्क कोचिंग सहायता योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाए जाने के निर्देश दिए।

श्रम मंत्री श्री देवांगन ने बैठक में लंबित मामलों का 15 दिवस के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के कुछ जिलों में श्रमिकों के पंजीयन फार्म को निरस्त कर दिया गया है। श्रमिको से अन्य जरूरी दस्तावेज लेकर पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी कर ली जावे। अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि हितग्राही को शासन की योजना का लाभ मिले। दस्तावेज की कमी को आधार बनाते हुए हितग्राही को वापस न लौटाया जाए। श्रमिक बहुल क्षेत्रों में मोबाईल कैम्प लगाकर मजदूरों का पंजीयन करने की प्रक्रिया पूर्ण करें। मजदूर बिना पंजीयन के किसी भी साईट में काम ना करें।

कृषि मंत्री नेताम ने बलरामपुर में मातृ एवं शिशु अस्पताल और क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने बलरामपुर प्रवास के दौरान जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी। मंत्री नेताम ने मंगलवार को बलरामपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में जिला अस्पताल में मातृ एवं शिशु अस्पताल और 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का भूमिपूजन किया। इसकी लागत लगभग 31 करोड़ 63 लाख रुपए है।

यह अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाडे विशेष रूप से उपस्थित थी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तारीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके बन जाने से जिलेवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

इन अस्पतालों में अच्छी व्यवस्था के साथ मेडिकल केयर मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिले वासियों को पहुँच संबंधी कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसके पूर्ण हो जाने से लोगों को दूसरे स्थान पर इलाज के लिए जाना नहीं पड़ेगा। तत्काल जरूरत पड़ने पर अब बलरामपुर जिले में ही बड़े अस्पतालों जैसी सुविधा मिलेगी। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी कार्य स्वीकृत हो रहे हैं, मुख्यमंत्री के प्रयासों से स्वास्थ्य क्षेत्र में 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ और मातृ एवं शिशु अस्पताल बनने जा रहा है इससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से निजात मिलेगी।

उन्होंने इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सरगुजा सासंद चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, कलेक्टर रिमिजियुस एक्का, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील उपस्थित थे।

जल संरक्षण के लिए सभी को करने होंगे समन्वित प्रयास - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

- सभी उद्योग एवं एनजीओ जल संरक्षण के लिए दें अपना योगदान
- जिले में पौधरोपण के लिए खोदे गए 48 हजार गड्डे

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में पौधरोपण एवं जल संरक्षण के संबंध में उद्योग, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं विभिन्न विभागों की बैठक लेकर समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में पौधरोपण एवं जल संरक्षण के लिए जनसहभागिता से कार्य किया जा रहा है। छोटे-छोटे प्रयासों के बड़े परिणाम प्राप्त होते हैं।

जिले में तीन विकासखंड राजनांदगांव, डोंगरगांव, डोंगरगढ़ क्रिटिकल जोन होने के कारण जल संरक्षण के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे। सभी उद्योग एवं एनजीओ जल संरक्षण में अपना योगदान दें। कम लागत में अधिक जल संरक्षण के लिए नए तकनीक एवं तरीके ईजाद किए जा रहे है। वहीं बहुत सी अनुपयोगी वस्तुओं को रिसायकल कर उसका उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिले में पौधरोपण के लिए 48 हजार गड्ढे खोदे लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पौधे प्राप्त होते ही पौधरोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे, तालाब के किनारे, चारागाह तथा विभिन्न स्थानों में सघन पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों को संरक्षित करने के लिए पाईप भी लगाना है। छायादार एवं फलदार पौधे अधिक से अधिक लगाएं।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने पौधरोपण एवं जल संरक्षण के लिए सभी उद्योगों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि जिले में कम पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मक्के की फसल को प्रोत्साहित करना है। जिन स्थानों में पानी कम रूकता है। वहां मक्के की फसल किसानों को लगाने के लिए प्रेरित करें।

मक्के की मोनसेंटों वैरायटी खरीफएवं रबी सीजन में लगाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए विभिन्न स्थानों पर वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाएं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ ही यह भी जरूरी है कि पौधों की अच्छी तरह देखभाल की जाए। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री नागेश्वर लाल पाण्डे, उप आयुक्त सहकारिता शिल्पा अग्रवाल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वरिष्ठ वैज्ञानिक गुंजन झा, अधिकारी उपस्थित थे।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

ऑटो में छूटा 2 लाख के जेवर से भरा बैग, पुलिस ने लौटाया, यात्री ने कहा धन्यवाद

बेमेतरा से बिलासपुर रिश्तेदारी में पहुंचा था शख्स, बैग गुम होने पर पुलिस को दी थी सूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में बेमेतरा जिले के नारायणपुर के यात्री का बैग ऑटो में छूट गया, जिसे पुलिस ने सक्रियता दिखाकर ऑटो चालक का पता लगाया, फिर यात्री को बैग लौटाया। बैग में 2 लाख के गहने और सामान थे। बैग वापस पाकर यात्री ने बिलासपुर पुलिस को थैंक्स बोलकर आभार जताया।

दरअसल, बेमेतरा जिले के नारायणपुर में रहने वाले अनिल डडसेना अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में जा रहे थे। परिवार के सदस्यों के साथ वो तिफरा स्थित नया बस स्टैंड में उतरे और फिर ऑटो में सवार होकर रेलवे स्टेशन गए। इस दौरान ऑटो से उतरते समय वह अपना एक बैग भूल गए और प्लेटफार्म पहुंच गए।

इस दौरान प्लेटफार्म पहुंचने पर उन्हें पता चला कि एक बैग ऑटो में ही रह गया है। उसमें सोने-चांदी के गहनों के साथ ही कीमती सामान रखे थे। इससे अनिल और परिवार के

सदस्य परेशान हो गए। उन्होंने किसी तरह अपने परिचित को इस घटना की जानकारी दी, फिर उनके माध्यम से एडिशनल एसपी ट्रैफिक नीरज चंद्राकर से मदद मांगी।

जेवर से भरे बैग के गुम होने की सूचना पर एएसपी चंद्राकर ने यात्री को आरक्षक संतोष राठौर के साथ यातायात कंट्रोल रूम भेजा। वहां मौजूद आरक्षक शेखर राजपूत ने यात्री के बताए अनुसार ऑटो की पहचान की, जिसके बाद शहर में ऑटो की तलाश शुरू कर दी। इस बीच ऑटो चालक दूसरे यात्रियों को लेकर रेलवे स्टेशन से निकल गया था।

लोगों की मदद के लिए सक्रिय है पुलिस

एएसपी नीरज चंद्राकर ने कहा कि बिलासपुर पुलिस लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर है। इस तरह की सूचना मिलते पर पुलिस त्वरित कार्रवाई करती है। कुछ दिन पहले ही पुलिस ने चेतना अभियान के तहत लोगों के गुम हुए 30 लाख के 200 मोबाइल को लोगों को वापस दिलाया था। इसी तरह शहर में मिलने वाली शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस जनताा की सेवा के लिए है।

पुलिसकर्मियों ने ऑटो चालक की तलाश कर बैग वापस लिया। जिसके बाद एसपी रजनेश सिंह के माध्यम से यात्री को बैग लौटाया।

खास खबर

नारायणपुर में सुरक्षा बल को फिर मिली बड़ी सफलता, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बल को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बल ने कावानार के जंगलों में विस्फोटक सामग्री के साथ अन्य सामान बरामद किया। नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से एकत्रित कर यह सामग्री रखा था। दरअसल, नारायणपुर जिले में लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत डीआरजी एवं 45वीं वाहिनी आइटीबीपी की संयुक्त टीम बुधवार को एरिया डॉमिनेशन पर ग्राम कावानार-तोयमेटा की ओर रवाना हुई थी।

सुरक्षा बल जैसे ही कावानार के जंगलों में पहुंची तो वहां सोलर प्लेट के बैटरी रखने के लिए बने रूम में बड़ी मात्रा में विस्फोट सामग्री मिला। नक्सलियों ने विस्फोटक सामग्री का उपयोग सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से एकत्रित कर रखा था जिसे सुरक्षा बलों ने बरामद कर नक्सलियों के मंसूबों को विफल कर दिया। सुरक्षा बल को 11 नग कूकर, 2 प्लास्टिक ड्रम, 1 नग स्टील ड्रम, बिजली वायर, फटाका, डेटोनेटर, कोडेक्स वायर, बैटरी सेल, इनवर्टर, बर्तन, नक्सली बैनर एवं भारी मात्रा में अन्य नक्सली दैनिक सामग्री मिला।

गश्त में निकली पुलिस ने पकडा 10 टन कबाड से भरा वाहन, चालक गिरफ्तार

कोरबा। कबाड़ भर कर जा रहे आयशर वाहन को गश्त में निकली पुलिस ने पकडा। जांच के दौरान 10 लोहे का कबाड़ वाहन में मिला। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर कबाड़ जब्त किया। बताया जा रहा है कि सहायक उपनिरीक्षक परमेश्वर गुप्ता, आरक्षक गश्त में निकले थे, तभी उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि न्यू गोल्डन ब्राउन कलर छह कच्चा आयशर वाहन क्रमांक सीजी 12 बीजे 7229 के चालक गुलशन कुमार महोबे द्वारा अपने वाहन में अवैध रूप से लोहे का कबाड परिवहन कर ले जाने वाला है।

इस पर पुलिस टीम ने जैन पब्लिक स्कूल के पास गोढी रोड कोरबा में दबिश दी और उक्त वाहन को रोका। जांच के दौरान वाहन में 10 टन लोहे का कबाड मिला, जिसकी कीमत लगभग 3.70 लाख रूपये बताई जा रही है। वाहन चालक से कबाड के संबंध में दस्तावेज मांगा गया, पर दस्तावेज पेश नहीं करने पर पुलिस ने धारा 102 के तहत कबाड़ जब्त किया।जांच के दौरान वाहन में लोहे के कबाड में रेल्वे का लोहे का सामान रखा हुआ मिला। इसमें दो फिस प्लेट, चार नट बोल्ट समेत एक हिल ब्लाक क्लोसिग व 11 रेल स्क्रू मिला। इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी गई। इस मामले को बिलासपुर रेल्वे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई में युवक की हत्या

नग्न अवस्था में पलंग के नीचे मिली लाश

वैशाली नगर थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी की तलाश में पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में युवक की हत्या से हड़कंप मच गया है। 18 जून की सुबह युवक का शव उसी घर पर बेडरूम में मिला। पलंग के नीचे युवक का शव नग्न अवस्था में मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में युवक की हत्या की बात सामने आई है। वैशाली नगर पुलिस ने इस मामले में धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। वहीं आरोपी की तलाश की जा रही है।

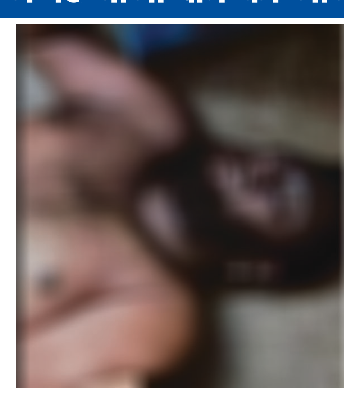

मिली जानकारी के अनुसार घटना 17 व 18 जून के दरमियानी रात की है। मृतक युवक का नाम वेदांत शर्मा है जो अपने परिवार के साथ एमआईजी 34 वैशाली नगर में रहता था। 18 जून की सुबह 9 बजे तक वेदांत नहीं उठा तो कामवाली बाई उठाने गई। दरवाजा नहीं खुला तो उसकी मां संतोष रानी को आवाज दी गई। मां पहुंची और दरवाजा खोलकर देखा तो वेदांत का शव नग्न अवस्था पलंग के नीचे पड़ा हुआ था। बेटे का शव देखने के बाद वह बदहवास हो गई। इसके बाद इस मामले में संजय शर्मा ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंच वैशाली नगर पुलिस ने पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संदिग्ध अवस्था में शव मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। देर शाम शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में युवक की हत्या होना पाया गया। मृतक के सिर पर चोट के निशान पाए गए। पीएम रिपोर्ट में कहा गया कि युवक की गला घोंटने से मौत होने की आशंका है। इसके बाद पुलिस ने मामले में धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

दोस्त के साथ था बेडरूम में सुबह नमस्ते करके निकला

पुलिस के अनुसार परिवार वालों ने बताया कि मृतक वेदांत अपने दोस्त को लेकर घर पहुंचा था। वेदांत 17 जून की रात लगभग 10.00 बजे अपने मां की कार क्रमांक छ्त्र 07 छ्छ 8577 से अकेला घर से निकला था। आधीरात लगभग 12.30 बजे अपने दोस्त के साथ लौटा। कार गेट पर खड़ी कर वेदांत अपने दोस्त के साथ कमरे में चला गया।

हत्या का मामला दर्ज आरोपी की तलाश

इस मामले में एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि वैशाली नगर थाना क्षेत्र में युवक की संदिग्ध अवस्था में उसी के घर पर लाश मिली है। इस मामले में पीएम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया है। हत्या वाली रात उसका एक दोस्त उसके साथ था जो सुबह चला गया। इस मामले में उसकी दोस्त की तलाश की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

सुबह 7 वेदान्त का दोस्त वेदान्त के कमरे से बाहर निकलकर नमस्ते कहते हुए चला गया। इसके बाद सुबह लगभग 9.00 बजे काम वाली बाई झाड़ू पोछा करने तो वेदान्त नहीं उठा था। मां संतोष रानी शर्मा वेदान्त के कमरे के दरवाजा को खटखटायी कोई आवाज नही आने पर दरवाजा को खोलकर देखा तो वेदान्त बिस्तर मे न होकर पलंग के नीचे नग्न अवस्था में पडा था उसका चेहरा काला पड गया हैं मुंह से खुन निकलकर सुख गया था। सांस भी नहीं चल रही थी।

छत्तीसगढ़ में नगरनार स्टील प्लांट के तीन कर्मियों की दर्दनाक मौत

■ देररात कार सहित दलपत सागर में डूबे,

जगदलपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में नगरनार स्टील प्लांट में कार्यरत तीन कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा बुधवार देररात की बताई जा रही है। तीनों कर्मचारी कार में सवार होकर खाना खाने गए थे। वापसी में इनकी कार अनियंत्रित होकर दलपत सागर में गिर गई। तीनों कार के साथ डूब गए। जब तक कार को बाहर निकाला गया तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। इस मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अनुराग मसीह (34), सोहेल राय (35) और देवी दत्त होता (35) के रूप में हुई है। तीनों रायपुर, कोलकाता, और भिलाई के रहने वाले थे।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात को अनुराग मसीह, सोहेल राय देवी दत्त होता एक साथ खाना खाने धरमपुरा गए हुए थे। खाना खाने के बाद देर रात तीनों दोस्त कार में सवार होकर वापस लौट रहे थे। इस दौरान धरमपुरा से दलपत सागर वाले रास्ते उनकी कार मंदिर से टकरा गई। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर पानी में डूब गई। पानी में डूबने के बाद कार के दरवाजे लॉक हो गए। लाख कोशिशों के बाद लॉक नहीं खुले। इधर हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से कार को बाहर निकलवाया। इसके बाद कार से तीनों को निकाला गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों में शामिलअनुराग मसीह भिलाई, सोहेल राय कोलकाता और देवी दत्त होता रायपुर का रहने वाले थे। तीनों की इस तरह हादसे में मौत से उनके घरों में मातम का माहौल है। सिटी कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की गिरफ्त में आए चाकूबाज, बटालियन के पेट्रोल पंप में युवक को चाकू मारकर हुए थे फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दो दिन पहले कातुलबोड बटालियन स्थित पेट्रोल पंप में चाकूबाजी कर फरार हुए बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में संजय नगर सुपेला निवासी राहुल उर्फ रहुलिया सिंह, कृष्णा नगर सुपेला निवासी करण चंद्राकर व एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दो दिन पहले 16 जून को संतोष करायत ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि शाम 6:45 बजे प्रथम बटालियन पेट्रोल पंप परिसर में ऑटो चालक के साथ राहुल, करण व नाबालिग विवाद करने लगे। इस दौरान पंप में काम करने वाले राम चरण यादव, परमेश्वर, प्रमोद दुबे, रविशंकर सेन एवं अन्य लोग बीचबचाव करने पहुंचे। इस पर तीनों पेट्रोल पंप के कर्मियों से भिड़ गए। विवाद के दौरान तीनों ने पंप के कर्मचारी

रविशंकर सेन पर चाकू से वार कर दिया और फरार हो गए। इधर शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। घटना स्थल के पास सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके ठिकाने पर दबिश दी गई। आरोपी घटना के बाद फरार हो गए थे। बुधवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीनों बदमाशों को घेराबंदी कर पकड़ा। इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी पुरषोत्तम कुर्रे, एएसआई बीएल साहू, आरक्षक आत्मानंद कोसरे, गोपाल लामा, तुषार छदैया, जी. लक्ष्मीनारायण, आशीष यादव, जयनारायण यादव का विशेष योगदान रहा।

दो बाइकों की टक्कर के बाद कार व बस की चपेट में आए सवार, हादसे में पति-पत्नी सहित तीन की मौत, दो घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले बुधवार को सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 2 बच्चियां गंभीर रूप से घायल हैं। दो बाइक में आमने-सामने की टक्कर के बाद एक बाइक सवार तेज रफ्तार कार से टकरा गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसी दौरान दूसरा बाइक सवार पीछे से आ रही बस के नीचे आ गया। घटना के बाद कार सवार फरार हो गया वहीं बस ड्राइवर भी बस छोड़ कर भाग निकला।

बिलासपुर-रायगढ़ मुख्य मार्ग पर हुए हादसे के बाद परिजन और आक्रोशित लोगों ने 3 घंटे तक चक्काजाम कर दिया है। दोनों मृतक के परिजनों को मुआवजा राशि दिए जाने के बाद लोगों ने सड़क से जाम हटाया।

मिली जानकारी के अनुसार एक बाइक में पति मन्नू सिंह (50) पत्नी उमा कौर (46) और

दो बेटियां मनप्रीत 20 और कोयल (14) सवार थे जो पामगढ़ से शिवरीनारायण की ओर जा रहे थे। हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। जबकि उनकी दो बेटियां घायल हैं जिन्हें बिलासपुर रेफर किया गया है। ये रजाई बेचने के व्यवसाय से जुड़े हैं। वहीं दूसरी बाइक में सूरज यादव सवार था, जो अपने घर रहौद से पामगढ़ की ओर आ रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी अस्पताल लाया। जहां पति-पत्नी और दूसरे बाइक सवार व्यक्ति को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। दो बच्चे घायल हैं, जिन्हें बिलासपुर रेफर किया गया है।

मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम

संजय यादव के शव को सड़क पर रखकर ग्रामीण और परिजन मुआवजे की मांग करते हुए चक्काजाम कर दिया। बस में तोड़-फोड़ भी की गई है। परिजन 5 लाख रुपए के मुआवजे की मांग कर रहे थे। चक्काजाम की जानकारी मिलने पर जिला पुलिस बल और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर उन्हें मुआवजे की राशि दिलाने की बात कही। जिसके बाद हादसे में जान गंवाने वाले मृतक सूरज यादव के परिजनों को 75 हजार रु दिया गया जिसमें 50 हजार बस मालिक और 25 हजार रु शासन की ओर से सहायता राशि दी गई है। वहीं मुन्ना सिंह और उमा कौर के परिजनों को 50 हजार रु दिए गए। बस और दोनों बाइक को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

ओडिशा गैंग के 4 शातिर गिरफ्तार, 15 लाख के गहने किए थे पार

■ मजदूर बताकर किराए पर लिया मकान, रेकी कर वारदात को दिया था अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के कई शहरों में उठाईगिरी और चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले ओडिशा गैंग के 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने मजदूरी करने के बहाने किराए पर मकान लिया था। जिसके बाद रेकी कर सराफा कारोबारी के 15 लाख के गहनों से भरा बैग पार कर दिया था। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की अलग-अलग 15 टीमें बनाई

एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, उठाईगिरी करने वाले गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग 15 टीमें बनाई गई। इस दौरान शहर के कई इलाके से 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। इसी आधार पर भाग रहे युवकों की पहचान की कोशिश की जाने लगी। जांच के दौरान पुलिस ने बदमाशों की बाइक की भी पहचान की। इसके बाद पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश कर रही थी। आखिरकार ओडिशा पासिंग की बाइक के जरिए पुलिस की टीम रात करीब आठ बजे बदमाशों के ठिकाने तक पहुंची और आरोपियों को पकड़कर चोरी के गहनों को बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में शामिल ओडिशा के जाजपुर जिले के कलिंगनगर थाना क्षेत्र के दोसमिनिया निवासी दीपक प्रधान (26), अर्जुन प्रधान (23), गंजाम जिले के कोलईचका के शाहपुर डुकनी निवासी आर्यन उर्फ महेश प्रधान (23) और कलिंगनगर के दोसमनिया निवासी भोला प्रधान (24) को गिरफ्तार किया है।

एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, इमलीपारा निवासी जवाहर सोनी की अशोक नगर सरकंडा में मां भवानी ज्वेलर्स नाम से सोने-चांदी के जेवरों की दुकान है। बुधवार को दोपहर वो दुकान खोलने के लिए पहुंचे। तब शटर और दुकान के सामने गंदगी देखकर उन्होंने गहनों से भरे बैग को बाइक की टंकी में रख दिया और दुकान के सामने सफाई करने लगे। इसी दौरान बाइक सवार युवक उनका बैग लेकर भाग निकले। उठाईगिरी की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद लुटेरों की जानकारी जुटाकर सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई।

जिस तरीके वारदात हुई, इससे पुलिस को पहले से शक था कि उठाईगिरी की घटना में बाहरी गैंग के लोग शामिल हो सकते हैं। इस तरह की घटना पहले भी बैंक और भीड़भाड़ वाली जगहों पर कपड़ों में गंदगी लगाकर उठाईगिरी का मामला सामने आया था। इसी आधार पर जांच शुरू की गई। साथ ही जिले के सभी थाना क्षेत्र में घटना की सूचना देकर संदेहियों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पता चला कि ओडिशा के जाजपुर और गंजाम जिले के निवासी युवक एक सप्ताह पहले ही शहर पहुंचे थे। युवकों ने सिरगिट्टी के आवासपारा में 2500 रुपए महीने में किराए पर मकान लिया था। उन्होंने मकान मालिक को मजदूरी करने की जानकारी दी थी। यहां पर रहकर युवक शहर में उठाईगिरी करने के लिए रेकी करते रहे। चार दिन रेकी के बाद दो दिन पहले ही युवकों ने अशोक नगर स्थित ज्वेलरी दुकान को चुना। इसके बाद उन्होंने उठाईगिरी का प्लान बनाकर घटना को अंजाम दिया।

नगर निगम भिलाई की बड़ी कार्यवाहीः 56 भवन स्वामी के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के 56 भवन स्वामियों द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर की राशि जमा नहीं करने पर आयुक्त ने कुर्की वारंट जारी करने का निर्देश दिया है। इस कार्य हेतु कुर्की अधिकारी धीरज साहू की नियुक्ति की गई है। सभी देनदारों से संपर्क कर 30 जून तक राशि की वसूली करने के कार्रवाई करेंगे। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निगम को आर्थिक रूप से सबल बनाने हेतु, संपत्तिकर की वसूली शत्प्रतिशत हो इसके लिए समय-समय पर राजस्व करो की वसूली की समीक्षा करते है।

इसी दौरान उन्होने संपत्तिकर विभाग को निर्देशित किये थे, कि लंबे समय से निगम का टैक्स जमा नहीं करने वाले भवन स्वामीयों की सूची जोनवार प्रस्तुत करे।

सूची के आधार पर जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र के व्यवसायिक एवं आवासीय भवन स्वामी जिसमें विजय जायसवाल/स्व. नंदलाल जायसवाल भिलाई, मो. अब्बूशहीद/मो.बाकर अशरफी भिलाई, सुशली मूले/संजय मूले भिलाई, सी.गर्ग/आई.सी.गर्ग भिलाई, तुलसी बाई/मधु दलाई भिलाई, जी.एस.भल्ला/स्व. गुरूचरण सिंह भल्ला भिलाई, अनुप कुमार/के.एल.बावनसरे भिलाई, अब्दुल रजाक/मंगल खान भिलाई, जीतेन्द्र सिंह/दलबीर सिंह भिलाई, मुबारक निशा/स्व. सिराज खा भिलाई, कलावती पाण्डेय/स्व. गंगाराम पाण्डेय भिलाई, खलील अहमद/अब्दुल वहीद भिलाई, के.ए.खाण्डेकर/स्व. अमृत खाण्डेकर भिलाई, लखन लाल भारद्वाज/गोपाल प्रसाद भिलाई, मुकेश अग्रवाल/राधेश्याम अग्रवाल भिलाई, विजय चैहान/स्व. बल चैहान भिलाई, हरि चैहान/विश्वनाथ चैहान भिलाई, ज्योति अग्रवाल/किशोर अग्रवाल भिलाई, छोटन चैधरी/रामलाल चैधरी भिलाई, कालीचरण/स्व. भूखन सिंह भिलाई, राकेश अग्रवाल/प्रभुदयाल अग्रवाल भिलाई, रमन्ती देवी/भरत सिंह भिलाई, करूणा सिंह/दिलराज सिंह भिलाई, कुन्दन शर्मा/स्व. जगन्नाथ भिलाई, डॉ. बेनी माघव वेद्य/आशा वैद्य भिलाई, अवधेश चैहान/जालीम चैहान भिलाई, गणेश चैहान/स्व. अदालत चैहान भिलाई, रणजीत सिंह/स्व. अजीत सिंह भिलाई, रामचन्द्र शर्मा/स्व. प्रयाग शर्मा भिलाई, संजय चैहान/अदालत चैहान भिलाई, श्याम कुमारी/रामेश्वर पाण्डे भिलाई, के. विजयन/केशवन भिलाई, कौशिल्या देवी/महादेव भिलाई, पुष्पलता/स्व. भवानी कर भिलाई, विजय साव/शिवशंकर साव भिलाई, रामकिशोर ठाकुर/देवचंद भिलाई, दिलीप कुमार/काशीदास भिलाई, उम्मुतन निशा/स्व. जान मोहम्मद भिलाई, वजीर अहमद/अली अखबर भिलाई, बानो बेगम/युनुश खान भिलाई, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी/रमाकांत मणि त्रिपाठी भिलाई, परमेश्वरी विधालय भिलाई, रूपल चैरसिया/संजय चैरसिया भिलाई, ममता चैरसिया/संतोष चैरसिया भिलाई, निरंजन कौर/स्व. दर्शन सिंह भिलाई, रामचन्द्र वर्मा/रामु वर्मा भिलाई, सिराज अली/अमीर अली भिलाई, बुधारू/स्व. हीरा लाल वर्मा भिलाई, खलील भिलाई, उर्मिला देवी सोनी/विश्वानाथ सोनी भिलाई, राजेन्द्र झा/स्व. टी.झा भिलाई, अंजू कुशवाहा/रवि कुशवाहा भिलाई, सुरेश कामड़े/स्व. जगलू कामड़े भिलाई, संगीता पांडे/संजय पांडे भिलाई, रश्मि साधू/स्व. पी.आर. साधू भिलाई, इशरा खान/अब्दुल रजक भिलाई शामिल है।

इन भवन स्वामियो द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निगम द्वारा सभी भवन स्वामी को नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 174 की नोटिस जारी कर 30 जून के भीतर निगम को देय लंबित राशि का भुगतान करने को कहा गया था। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद आयुक्त ने उन सभी 56 भवन स्वामियो के विरूद्ध नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 के अधीन शक्ति पत्र कुर्की वारंट जारी कर कुर्की अधिकारी, को आदेशित किये है कि उक्त भवन स्वामियो से 30 जून तक निगम को देय लंबित राशियों का वसूली कर निगम कोष में जमा कराये। निर्धारित राशि 30 जून तक जमा नही करने वाले प्रतिष्ठिानो एवं दुकानो पर ताला बंदी की जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित की स्वयं की होगी।

खास - खबर

350 पदों के लिए 21 जून को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध 350 रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 21 जून 2024 को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक टाटा विस्ट्रॉन द्वारा 100, टाटा मोटर्स द्वारा 100, सेनाईडर इलेक्ट्रिक द्वारा 100 एवं भारत बायोटेक द्वारा 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उपसंचालक आर.के. कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, राशन कार्ड) रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते है। पदों, योग्यता, आयु एवं अनुभव से संबंधित जानकारी आवेदक प्लेसमेंट केम्प स्थल पर प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में अब तक 18.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 19 जून तक 18.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 38.1 मिमी अहिवारा तहसील में तथा न्यूनतम 5.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 18.6 मिमी, तहसील धमधा में 15.6 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 22.2 मिमी और तहसील पाटन में 11.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 19 जून को तहसील दुर्ग में 18.6 मिमी, तहसील धमधा में 15.6 मिमी, तहसील पाटन में 4.4 मिमी, तहसील बोरी में 5.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 22.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 34.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सात दुकान संचालकों की प्रतिपूर्ति राशि समाहित की गई

दुर्ग। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में निर्धारित तिथि तक राशन सामग्री का भंडारण करना अनिवार्य होता है, ताकि समय पर राशनकार्डधारी राशन का उठाव कर सकें। आगामी माह का राशन भंडारण करने के लिए पूर्व माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से नागरिक आपूर्ति निगम के प्रदाय केन्द्रों में डीडी जमा करना होता है या निर्धारित राशि नेफ्ट करना होता है। शा.उ.मू. दुकान के संचालकों के द्वारा समय पर राशि जमा किये जाने की नियमित रूप से मानिटरिंग की जाती है। उक्त जानकारी देते हुए खाद्य नियंत्रक सी.पी. दीपांकर ने बताया कि माह जून 2024 के लिए 10 मई 2024 तक निर्धारित राशि का डीडी जमा नहीं करने वाले कुल 10 दुकान संचालकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। 18 जून 2024 खाद्य नियंत्रक के समक्ष में उक्त दुकान संचालकों की सुनवाई की गई तथा निर्धारित समय पर डीडी जमा नही करने के कारण दुकान संचालकों के द्वारा जमा की गई प्रतिभूति राशि समाहित की गई।

गंभीर बीमारी की उपचार हेतु विशेष हेल्थ सहायता योजना

दुर्ग। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के स्वायत संगठन डॉ. अम्बेडकर फॉऊण्डेशन के द्वारा जनवरी 2024 से विशेष हेल्थ सहायता योजना संचालित जा रही है। जिसमें गंभीर रोगों जैसे लीवर से संबंधित, ब्रेन से संबंधित, कैन्सर, किडनी से संबंधित रोग एवं अन्य ऐसे रोग जिसे सामान्यता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राही इलाज कर पाने में सक्षम नहीं होते है, उन्हें ईलाज हेतु सहायता दी जाती है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक अमित सिंह परिहार से मिली जानकारी अनुसार ऐसे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राही जिनकी प्रतिवर्ष की आय सीमा 3 लाख रूपए तक है, योजना का लाभ ले सकते है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की जीएम नीनु इटियेरा ने की राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नीनु इटियेरा ने विश्वभूषण हरिचंदन राज्यपाल से राजभवन में सौजन्य मुलाकात की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चल रहे रेलवे के विकासात्मक एवं इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों पर राज्यपाल से चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने बेहतर यात्री सेवा और प्रदेश के विकास के लिए बेहतर रेल सुविधा एवं रोड व रेल सेफ्टी से संबंधित रोड अंडर ब्रिज एवं रोड ओवर ब्रिज के कार्यो में राज्य शासन से अनेकों रेल परियोजनाओ पर समन्वय की आवश्यकता है। बेहतर यात्री सुविधा यात्री ट्रेनों का बेहतर परिचालन ,छत्तीसगढ़ के उद्योगों को बढ़ावा हेतु रेल सुविधा ,प्रदेश के व्यापार को प्रगति देने हेतु कोयला, फूड ग्रेन, आयरन ओर एवं सीमेंट का ज्यादा से ज्यादा लदान कर देश की प्रगति में सहायक बनना है।

राज्य शासन के साथ पूर्व में हुई बैठकों में लिए गए निर्णय एवं राज्य शासन के समन्वय से होने वाले कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने से रेलवे के विकासात्मक कार्यों में गति लाने हेतु चर्चा की गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

नगरीय निकायों के वार्डों का होगा परिसीमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (3) एवं छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 23 (3) के तहत वर्ष 2011 की जनगणना के पश्चात् नगरीय निकायों की जनसंख्या में हुई वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय निकायों के वार्डों का परिसीमन किया जाना है।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के वार्डों के परिसीमन हेतु जारी समय-सारणी के अनुसार नगर पालिक निगम दुर्ग का आम निर्वाचन 2024-2025 हेतु आवश्यकता अनुसार वार्डों के परिसीमन की कार्यवाही के लिये परीक्षण कर अभिमत सहित प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु राजस्व अधिकारी एवं उनके सहायक अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकायों के सहायक अधिकारियों को परिसीमन की कार्यवाही में राजस्व अधिकारी को सहयोग प्रदान करने एवं निर्धारित समयावधि के भीतर प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई हेतु राजस्व अधिकारी लवकेश ध्रुव डिप्टी कलेक्टर एवं उनके सहायक अधिकारी अशोक द्विवेदी उपायुक्त, नगर पालिक निगम दुर्ग हेतु राजस्व अधिकारी मुकेश रावटे अनुविभागीय अधिकारी एवं उनके सहायक अधिकारी मोहेन्द्र साहू उपायुक्त, नगर पालिक निगम रिसाली हेतु राजस्व अधिकारी प्रफुल्ल गुप्ता एवं उनके सहायक अधिकारी संजय वर्मा सहा. रा. अधि., नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा हेतु राजस्व अधिकारी महेश सिंह राजपूत अनुविभागीय अधिकारी (रा) भिलाई-3 एवं इनके सहायक अधिकारी अश्वनी चंद्राकर सहा. राजस्व निरीक्षक को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद् जामुल हेतु राजस्व अधिकारी श्रीमती ख्याति नेताम तहसीलदार भिलाई-3 एवं इनके सहायक अधिकारी अंकुर पाण्डेय मु.न.पा.अधि., नगर पालिका परिषद् अहिवारा राधेश्याम वर्मा तहसीलदार अहिवारा एवं इनके सहायक अधिकारी श्रीमती बख्शी मु.न.पा.अधि., नगर पालिका परिषद् कुम्हारी हेतु राजस्व अधिकारी रवि विश्वकर्मा नायब तहसीलदार एवं सहायक अधिकारी नेतराम चंद्राकर मु.न.पा.अधि. एवं नगर पालिका परिषद् अम्लेश्वर हेतु राजस्व अधिकारी भूपेन्द्र सिंह नायब तहसीलदार पाटन व सहायक अधिकारी सतीश यादव मु.न.पा.अधि. को नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में नगर पंचायत धमधा हेतु राजस्व अधिकारी पंचराम सलामे तहसीलदार धमधा एवं इनके सहायक अधिकारी ओंकार ठाकुर, नगर पंचायत उतई हेतु राजस्व अधिकारी चंद्रशेखर चंद्राकर नायब तहसीलदार दुर्ग व सहायक अधिकारी राजेन्द्र नायक मु.न. पा.अधि., नगर पंचायत पाटन हेतु राजस्व अधिकारी मीना साहू तहसीलदार पाटन व सहायक अधिकारी सौरभ वाजपेयी मु.न.पा. अधि. को नियुक्त किया गया है।

शून्य माता मृत्यु का लक्ष्य रखते हुए फील्ड स्तर पर सुधारात्मक दिशा-निर्देशों के पालन हेतु कार्ययोजना बनायी जाए - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला स्तरीय मातृ मृत्यु अंकक्षण समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अप्रेल एंव मई 2024 में अधिसूचित हुएं 4 माता मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा की गयी। कलेक्टर चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में शून्य माता मृत्यु का लक्ष्य रखते हुए फील्ड स्तर पर सुधारात्मक दिशा निर्देशों के पालन हेतु कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय के सामने 100 मीटर की परिधि पर निजी संस्थान के एम्बुलेंस नहीं रहना चाहिए। जिले में मातृ मृत्यु की रोकथाम के लिए फील्ड तथा संस्थागत् स्तर पर शत् प्रतिशत गर्भवती माता का पंजीयन, खतरे वाली माताओ का शीघ्र चिन्हांकन का प्रसव हेतु

पूर्व से स्वास्थ्य केन्द्र का चिन्हांकन (मैपिंग) तथा संक्रमण रोकथाम प्रोटोकॉल का पालन किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने प्रत्येक खतरे वाली गर्भवती माता का गर्भ जॉच स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा कराये जाने, खतरे वाली माताओं का प्रसव हेतु पूर्व से स्वास्थ्य केन्द्र का चिन्हांकन करने, प्रत्येक गर्भवती महिला का शीघ्र पंजीयन एवं 2 से अधिक बच्चे वाले लक्ष्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन अपनाने हेतु परामर्श दिए जाने कहा है। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं को प्रत्येक माह की 9 एंव 24 तारीख को शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दिन अनिवार्यतः जाँच कराने के निर्देश दिये है। इसके लिए कलेक्टर ने समस्त निजी नर्सिंग होम/अस्पताल को गर्भवती महिलाओं की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दिये जाने के कड़े निर्देश दिये है। समीक्षा में पाया गया कि निजी संस्थाओं के द्वारा अनावश्यक रूप से ऐसे गंभीर प्रकरणों को अपने यहां भर्ती किया जा रहा हैं, जिन्हें उच्च स्तरीय ईलाज की आवश्यकता होती हैं। इस हेतु निजी संस्थाओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

जिला चिकित्सालय के सामने निजी संस्थानों की एंबुलेन्स 100 मीटर की परिधि में नहीं रहना चाहिए। निजी एंबुलेंस जिला चिकित्सालय के सामने पाये जाने पर एसडीएम द्वारा वाहन की राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने जिले के समस्त शासकीय एंव निजी अस्पतालों में प्रसव कक्ष एवं प्रसुति वार्ड में संक्रमण रोकथाम संबंधी प्रोटोकॉल का अनिवार्यतः पालन किए जाने के निर्देश दिए है। इस संबंध में चिकित्सकों की संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा एफ्ओजीएसआई के साथ मिलकर मातृत्व स्वास्थ्य प्रसव स्वास्थ्य देखभाल तथा संक्रमण प्रोटोकॉल के विषय पर कार्यशाला आयोजित करने कहा है। अंतर्विभागीय समन्वय के साथ फील्ड स्तर पर प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य विभाग की टीम, महिला बाल विकास विभाग एवं मितानिन की बैठक कर प्रत्येक गर्भवती महिला की ट्रेकिंग, गर्भावस्था में लिए जाने वाले पौष्टिक आहार शत-प्रतिशत संस्थागत् प्रसव एवं घर प्रसव रोकने के लिए समन्वय करते हुए बैठक किये जाने के निर्देश दिए है।

सेल ने नेशन बिल्डर्स-2024 के बीच भारत के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं में जगह बनाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश की महारत्न सार्वजनिक इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नेशन बिल्डर्स-2024 के बीच भारत के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं में अपनी जगह बनाई है।

सेल को यह मान्यता 'ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट-इंडिया' द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सेल की राष्ट्र-निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की विरासत और मजबूत भरोसे की कार्यसंस्कृति बनाने के प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है। इससे पहले, सेल ने दिसंबर 2023 में ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट, इंडिया द्वारा दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 के लिए 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन हासिल किया था।

आजादी के बाद, एक देश के तौर पर उभरने के शुरुआती सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सेल के इस्पात संयंत्र राष्ट्र निर्माता रहे। देश को आत्मनिर्भर बनाने और तीव्रगति से औद्योगिकीकरण के लिए बुनियादी ढाँचा बनाने के लिए 50 और 60 के दशक में भारी पूंजीगत व्यय के साथ इस्पात संयंत्र स्थापित किए गए थे।

जिला चिकित्सालय में मनाया गया विश्व सिकल सेल दिवस

सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में ईलाज पुस्तिका का विमोचन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व सिकल सेल दिवस राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी और सहायक कलेक्टर एम. भार्गव भी सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम में सिकल संगवारी पहल के अंतर्गत जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल मरीजों के उचित उपचार एवं देखभाल के लिए एक ईलाज पुस्तिका का विमोचन मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने किया। उन्होंने अपने करकमलों से शासन द्वारा प्रदत्त सिकल सेल कार्ड का वितरण मरीजों को किया। सांसद श्री विजय बघेल ने सिकल संगवारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे सिकल सेल मरीज लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम के दौरान तीन लोगों की संगवारी टीम द्वारा सिकल सेल वाहक व इस बीमारी से ग्रसित लोगों को उचित मार्गदार्शन एवं कॉउसिलिग की गई। यह कार्यक्रम एबीस ग्रुप एवं स्वयं सेवी संस्था सामाजिक संस्था संगवारी दोनों के साझा प्रयास से शुरु किया गया है। कार्यक्रम में सिकल के मरीज तथा उनके परिजन भी मौजूद थे। डॉ. आर. के. मल्होत्रा शिशु रोग विशेषज्ञ व डॉ. देवेन्द कुमार साहू एम.डी. मेडिसीन के द्वारा तथा जी.एन.टी. तृतीय वर्ष की छात्राओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सिकल सेल की जानकारी लोगों को दी गई। सिकल सेल दिवस 19 जून 2024 को जिला दुर्ग में कुल 9413 मरीजों का सिकल सेल स्क्रीनिंग किया गया। 50 हितग्राही को दवाईया वितरित की गई। 352 जागरूकता कार्यक्रम तथा 4 प्रचार रथ के माध्यम से प्रचार-प्रसार करवाया गया। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय सीएचसी, पीएचसी, एसएचसी एवं अन्य स्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 11603 लोग सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ जे.पी. मेश्राम, सिविल सर्जन डॉ हेमंत कुमार साहू, एबीस ग्रुप महिमा सोनी, संगवारी की ओर से डॉ. योगेश्वर कालकोन्डे, डॉ. बैद्यनाथ देबनाथ आर.एम.ओ. डॉ अखिलेश यादव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक. संदीप ताम्रकार अस्पताल सलाहकार डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, नोडल अधिकारी डॉ नेहा बाफ्ना, जीवनदीप समिति के सदस्य दिलीप सिंह ठाकुर दुष्यंत देवांगन प्रशांत डॉनगांवकर व समस्त नोडल एवं सभी विभाग के प्रमुख अधिकारी / कर्मचारी की उपस्थिति थे।

विश्व के प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान पुस्तक गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

साहित्यकार संगीता वर्मा भिलाई गोल्डन बुक ऑफ से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व के प्रथम छंदबद्ध भारत के संविधान की रचना में संगीता वर्मा की रचना को स्थान मिला। मूल संविधान के 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित व 12 अनुसूचियाँ है जिसे 2110 दोहे, 422 रोला व 24 अन्य छंदबद्ध कालजयी रचनाओं के माध्यम से काव्य ग्रन्थ की रचना संयुक्त रूप से किया गया है। इसमें भारत के 18 राज्यों के अलावा चार देशों के साहित्य कार के संग 14 वर्ष के बालक के रचना शामिल है। इस काव्य में 142 सदस्य तथा त्रिसंपादक मंडल जिसमें प्रमुख संपादक हैं डॉ. ओमकार साहू मृदुल, सह संपादक डॉ. सपना दत्ता सुहिसिनी,सह संपादक डॉ. मधु शंखधर, स्वतंत्र जन जागरण समिति प्रेमनगर के अध्यक्ष डॉ. रूपेश साहू के अथक प्रयास से यह छंदबद्ध भारत का संविधान गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

जिसका विमोचन 15 जून 2024 को भव्य पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह हिन्दी भवन विष्णु दिगंबर मार्ग नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ श्याम सिंह शशि (पद्म श्री) मुख्य अतिथि मीनाक्षी लेखी (पूर्व विदेश मंत्री एवं सांस्कृतिक राज्य मंत्री), विशिष्ट अतिथि डॉ सुरेश सिंह शौर्य प्रियदर्शी (पुलिस प्रशासनिक अधिकारी गृह मंत्रालय), डॉ संतोष खन्ना (पूर्व न्यायाधीश), डॉ. रामसिंह (वरिष्ठ साहित्य कार), शकुन्तला कालरा (वरिष्ठ साहित्य कार), चेतन आनंद (कवि एवं पत्रकार), पंकज शर्मा(एडिटर आज तक), आलोक कुमार (भारत प्रमुख गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड) आदि की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950